

मनेन्द्रगढ़

28 अप्रैल 2026  
मंगलवार

# दैनिक मीडिया ऑडिटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

## बंगाल चुनाव में विवाद: पुलिस ऑब्जरवर् के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची टीएमसी, भाजपा उम्मीदवार से मिलने पर उपजा विवाद

कोलकाता, एप्रैल 28। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण की मतदान की तैयारियों के बीच अब एक नया राजनीतिक विवाद सामने आया है। सतारुद तुणमूल कांग्रेस पार्टी ने कोलकाता हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की है, जिसमें पुलिस ऑब्जरवर् पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पार्टी का कहना है कि पुलिस ऑब्जरवर् परमार्थ पुरुषोत्तम दास ने 142-मंगराहाट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार गौर घोष के साथ एक अनौपचारिक (ऑफिशियल नहीं) बैठक की। टीएमसी ने इसे गंभीर आधार उल्लंघन और निष्पक्षता के खिलाफ बताया है। इतना ही नहीं टीएमसी की यह भी आरोप है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान पुलिस ऑब्जरवर् का किसी राजनीतिक उम्मीदवार से इस तरह मिलना निष्पक्षता पर सवाल उठाता है। पार्टी ने कहा कि यह कदम चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और भरोसे को प्रभावित कर सकता है। इसी वजह से टीएमसी ने कोलकाता हाईकोर्ट से हस्तक्षेप करने की मांग की है और मामले की जांच की अपील की है। पार्टी का कहना है कि चुनाव के दौरान सभी अधिकारियों को पूरी तरह निष्पक्ष रहना चाहिए, ताकि किसी भी राजनीतिक दल को अनुचित लाभ न मिले।

## धीरे-धीरे शास्त्री ने कहा- मैं माफी मांगता हूँ

छत्रपति शिवाजी महाराज और समर्थ रामदास स्वामी के बारे में दिया था विवादित बयान

नागपुर, एप्रैल 28। छत्रपति शिवाजी महाराज और समर्थ रामदास स्वामी के बारे में अपनी टिप्पणी को लेकर विवादों में घिरे बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरे-धीरे माफी मांग ली। रविवार को नागपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में धीरे-धीरे शास्त्री ने कहा- कुछ लोगों ने मेरे बयान का गलत अर्थ निकाला। मैं जिस स्वराज और हिंदू राष्ट्र की अवधारणा का सम्मान करता हूँ, उसमें छत्रपति शिवाजी महाराज का स्थान सर्वोच्च है। उनके बारे में नकारात्मक बोलना तो दूर, मैं ऐसा सपने में भी नहीं सोच सकता। उन्होंने आगे कहा- संदर्भ बिल्कुल अलग था। छत्रपति शिवाजी महाराज की संतो और अपने गुरु समर्थ रामदास स्वामी के प्रति गहरी निष्ठा थी। हम एक शिष्य की अपने गुरु के प्रति भक्ति के बारे में बात कर रहे थे। ठीक वैसे ही जैसे महाभारत में अर्जुन ने भगवान कृष्ण से कहा कि वह अपने ही लोगों से युद्ध नहीं करेंगे, तब कृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था।

हमारा उद्देश्य केवल छत्रपति शिवाजी महाराज की महानता को उजागर करना था कि वे संतो के प्रति कितने गहरे रूप से समर्पित थे, लेकिन एक छोटा सा अंश संदर्भ से काटकर फैला दिया गया।

## ईरानी सांसद बोले- पाकिस्तान मध्यस्थ बनने के लायक नहीं: वह अमेरिका के पक्ष में झुका है

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान, एप्रैल 28। मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत में अभी तक कोई ठोस सहमति नहीं बन पाई है। इसी बीच ईरान के एक नेता ने पाकिस्तान की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। ईरानी सांसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता इब्राहिम रेजई ने कहा कि पाकिस्तान दोस्त जरूर है, लेकिन वह बाजतीवी में बीच का सही पक्ष (मध्यस्थ) नहीं बन सकता। रेजई ने कहा कि पाकिस्तान अक्सर डोनाल्ड ट्रम्प और अमेरिका के हितों को ध्यान में रखता है और उनके खिलाफ कुछ नहीं करता। इसलिए वह निष्पक्ष नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि एक सही मध्यस्थ वही होता है, जो दोनों पक्षों के बीच निष्पक्ष रहे, न कि हमेशा एक ही पक्ष की तरफ झुका रहे।

उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने 24 घंटे में 2 बार पाकिस्तान का दौरा किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को ईरान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि उसके पास युद्ध खत्म करने के लिए सीजफायर पर सहमत होने के लिए सिर्फ तीन दिन हैं, नहीं तो उसकी तेल पाइपलाइन में ब्लास्ट हो जाएगा।

## केजरीवाल बोले- जस्टिस स्वर्णकांता से न्याय की उम्मीद खत्म

उनके बेटे को केंद्र से सबसे ज्यादा केस मिले, शराब घोटाला मामले में हाईकोर्ट नहीं जाऊंगा

नई दिल्ली, एप्रैल 28। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने शराब नीति घोटाला मामले में हाईकोर्ट में पेश होने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा जी से न्याय मिलने की उम्मीद टूट चुकी है। मैं हाईकोर्ट में पेश नहीं होंगा, न ही कोई दलील रखूंगा। मैंने अपनी अंतरआत्मा की आवाज सुनें हुए



महात्मा गांधी के सत्याग्रह का रास्ता अपनाने का फैसला किया है। केजरीवाल ने कहा कि जस्टिस स्वर्णकांता के दोनो बच्चे केंद्र सरकार के वकील फैमिल का हिस्सा हैं। सांसद जस्टिस जयप्रकाश शर्मा ने कहा कि जस्टिस स्वर्णकांता से न्याय की उम्मीद खत्म करने की मांग वाली केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी थी। जस्टिस स्वर्णकांता ने कहा था कि मैं इस मामले से खुद को अलग नहीं करूंगा।

## मिडिल ईस्ट पर मतभेद के कारण ब्रिक्स की आम सहमति मुश्किल, भारत ने फलस्तीन के पक्ष का किया समर्थन

नई दिल्ली, एप्रैल 28। पिछले हफ्ते मिडिल-ईस्ट पर हुई ब्रिक्स (BRICS) की बैठक में कोई आम सहमति वाला दस्तावेज तैयार नहीं हो सका, क्योंकि इस संघर्ष में शामिल सदस्य देशों के रुख में काफी मतभेद थे।

भारतीय अधिकारियों के अनुसार, बाकी सभी देशों द्वारा इन मतभेदों को दूर करने की कोशिशें कामयाब नहीं हो सकीं। इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास है और वह अगले महीने विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेगा। इसके बाद इसी साल के अंत में शिखर सम्मेलन होगा।

मिडिल-ईस्ट में संघर्ष को लेकर जताई चिंता : आम सहमति न बन पाने के कारण पिछले हफ्ते विदेश मंत्रियों और विशेष दूतों की बैठक में कोई संयुक्त बयान जारी नहीं हो सका। इसके बजाय 'अध्यक्ष का बयान' जारी किया



## आम सहमति न बनने का क्या रहा कारण?

जहां एक ओर ईरान, अमेरिका और इजरायल के खिलाफ ब्रिक्स देशों की एकजुटता चाहता रहा है और भारत से आम सहमति बनाने की दिशा में काम करने का आग्रह करता रहा है। वहीं दूसरी ओर संयुक्त अरब अमीरात (UAE) और सऊदी अरब की मौजूदगी के कारण कोई संयुक्त बयान जारी नहीं हो सका।

गाजा की स्थिति शामिल थी, जिसमें मानवीय सहायता पहुंचाना, UNRW की भूमिका, आतंकवाद के प्रति 'जिरो-टॉलरेंस' का रवैया अपनाना और लेबनान में हुए संघर्ष-विराम का स्वागत करना शामिल था।

## पीएम मोदी ने बैरकपुर से बंगाल को दी पांच गारंटी

# बोले: 'पढ़ाई, लिखाई और दवाई हमारी प्राथमिकता'

## बीजेपी को वोट दीजिए ताकि बेटियां हर समय बाहर निकल सकें

बैरकपुर (पश्चिम बंगाल), एप्रैल 28। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। आज प्रचार का अंतिम दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा का प्रचार करने बैरकपुर पहुंचे। पीएम मोदी ने कहा, '1857 में इसी बैरकपुर की धरती ने आजादी की पहली लड़ाई को ताकत दी थी। यही धरती आज बंगाल में परिवर्तन की राह को और प्रशस्त कर रही है।' भाजपा के चुनावी नारे और बंगाल में बदलाव की बयार का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने रैली में कहा कि बंगाल में हर ओर एक ही नारा सुनाई दे रहा है 'पलटनो दरकार, चाई बांजेपी सरकार।' यानी जनता बदलाव चाहती है और भाजपा की सरकार बनाने का मन बना चुकी है। रैली को चुनाव प्रचार की अंतिम सभा बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पूरे राज्य में लोगों का मुंडू देखकर उन्हें विश्वास है कि 4 मई को नतीजे आने के बाद भाजपा की सरकार बनगी और वह शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने फिर बंगाल आएंगे।

'जनता ही मेरा परिवार है और उनके बीच रहकर सुकून मिलता है': उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान मिले जनसमर्थन का जिक्र करते हुए कहा कि रैलियों और रोड शो के दौरान लोगों द्वारा दिए गए संदेश, पत्र और चित्र उनके लिए बेहद खास हैं।



वह रात में समय निकालकर इन भावनाओं को समझते हैं और लोगों के संदेशों को पढ़ते हैं। अपने लंबे राजनीतिक सफर को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह पिछले कई दशकों से देशभर में लगातार काम कर रहे हैं और पार्टी द्वारा सौंपी गई हर जिम्मेदारी को निभाते आए हैं। उन्होंने कहा कि जनता ही उनका परिवार है और उनके बीच रहकर उन्हें सुकून मिलता है।

पीएम मोदी ने दावा किया कि राज्य में बदलाव की लहर साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल की धरती से उनका जुड़ाव बेहद खास है और यहां के अनुभवों को वह अपने जीवन का आशीर्वाद मानते हैं। उनके अनुसार, जिस तरह जनता बड़ी संख्या में सामने आ रही है, उससे स्पष्ट है कि बैरकपुर समेत पूरा बंगाल बदलाव के लिए तैयार

पीएम मोदी की 5 बड़ी गारंटी				
रेहड़ी-पट्टी काली को केस ले टी जाएगी मदद	भर्ती तब समय और पायटली तरीके से होंगी	रोजगार में निरुक्ति पत्र प्रितारित किए जाएंगे	राज्य में 7वां केतन अग्रिम का तुल्य लागू करेंगे	प्लानबन रोकेने, 9वें में 125 दिन का रोजगार
01	02	03	04	05

## टीएमसी सांसद मिताली बाग की कार पर हमला

सांसद और उनका ड्राइवर घायल; टीएमसी बोलों-शाह की धमकी के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं का हमला

कोलकाता, एप्रैल 28। पश्चिम बंगाल के हुगली में सीएम को टीएमसी सांसद मिताली बाग की कार पर हमला हुआ। टीएमसी का आरोप है कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने गोगहाट में उनकी गाड़ी पर ईट-पत्थर और लाठियों से हमला किया। मिताली बाग गोगहाट से आरामबाग में अभिषेक बनर्जी के रोड शो में शामिल होने जा रही थी। इसी दौरान उन पर हमला हुआ। हमले में कार के शीशे टूट गए। सांसद और उनके ड्राइवर को घोट आई है। घायलों को आरामबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है टीएमसी ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने धमकी दी थी कि जो भी घर से बाहर निकलेगा, उसे उल्टा लटका दिया जाएगा। उसी के बाद यह हमला हुआ। इधर, पीएम नरेंद्र मोदी ने उतर 24 परगना में रैली की। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में बंगाल की दशा और दिशा दोनों बदलने वाली है। यह चुनाव सिर्फ बंगाल ही नहीं, पूरे पूर्वी भारत का भविष्य तय करेगा।

भविष्य को ध्यान में रखकर किए गए जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य की जनता के लिए पांच अहम गारंटियों का एलान किया। उन्होंने कहा कि ये वादे आर्थिक सहायता दी जाएगी, ताकि



उनका कारोबार मजबूत हो सके। दूसरी गारंटी में उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकारी भर्तियां तय समयसमीमा के भीतर और पूरी पारदर्शिता के साथ पूरी की जाएंगी।

# मां के प्यार में बेटे ने बनवाया दक्षिणी ताजमहल



थिरुवरुर, एप्रैल 28। मां के प्रति एक बेटे का प्रेम अब भव्य स्मारक के रूप में लोगों को आकर्षित कर रहा है। तमिलनाडु के थिरुवरुर जिले में बना यह अनोखा स्मारक इन दिनों चर्चा का केंद्र बना हुआ है। लोग इसे दक्षिणी ताजमहल कह रहे हैं और इसे देखने के लिए राज्य ही नहीं, बल्कि देशभर से बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। अमरुदीन ने अपनी मां के याद में बनवाई यह इमारत : यह स्मारक अम्मायाप्पन गांव में बनाया गया है। यहां रहने वाले शेख दाऊद और जेलानी बीबी के बेटे अमरुदीन (49), जो चेन्नई के व्यवसायी हैं, ने अपनी मां की याद में इस इमारत का निर्माण कराया। परिवार में उनकी चार बहनें भी हैं और सभी चेन्नई में रहते हैं। पिता के निधन के कुछ वर्षों बाद वर्ष 2020 में मां जेलानी बीबी का भी देहांत हो गया। मां के जाने के बाद अमरुदीन ने उनकी याद को हमेशा जीवित रखने के लिए गांव में एक भव्य स्मारक बनाने का फैसला किया।

## तमिलनाडु के थिरुवरुर में उमड़ रही लोगों की भीड़

किससे मिली इमारत बनवाने की प्रेरणा : उन्होंने बताया कि उन्हें आम. करुणानिधि से प्रेरणा मिली, जिन्होंने अपनी मां अंजुगाम अम्मायार की स्मृति में स्मारक बनवाया था। इसी सोच के साथ अमरुदीन ने भी अपनी मां के लिए

कूछ खास करने का निर्णय लिया। अमरुदीन का कहना है कि जिस तरह ताज महल प्रेम का प्रतीक माना जाता है, उसी तरह वह अपनी मां के लिए प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक बनाना चाहते

## इमारत की लोकप्रियता बढ़ रही है

गर्मी की छुट्टियों के चलते अब यहां आने वालों की संख्या और बढ़ गई है। तमिलनाडु समेत देश के कई हिस्सों से परिवार यहां पहुंच रहे हैं। आगतुकों के लिए प्रबंधन की ओर से मूपत छाछ, सुउल और मृगफली की चिककी भी दी जा रही है। सबसे खास बात यह है कि यहां सभी धर्मों और समुदायों के लोगों को बिना किसी भेदभाव के प्रवेश दिया जाता है। लोग परिवार के साथ तस्वीरें खिंचवा रहे हैं और इस अनोखे स्मारक को देखकर भावुक भी हो रहे हैं। स्थानीय लोग अमरुदीन की जमकर सराहना कर रहे हैं। उनका कहना है कि मां के सम्मान में प्रेम और श्रद्धा का ऐसा उदाहरण बहुत कम देखने को मिलता है।

थूल और दूसरी ओर मदरसा भी है, जहां छात्र रहकर पढ़ाई कर सकते हैं। दक्षिण तमिलनाडु में सफेद संगमरमर से बना यह अपनी तरह का पहला ताजमहल शैली स्मारक माना जा रहा है। इसके खुलने के बाद से हजारों लोग यहां पहुंच चुके हैं।



# झण्डा दिवस में उत्कृष्ट प्रदर्शन: लक्ष्य से अधिक राशि संग्रह पर सीधी जिला प्रशासन सम्मानित

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस वर्ष 2024-25 के अंतर्गत सीधी जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए निर्धारित लक्ष्य से अधिक राशि संग्रहित की है। जिले के लिए तय 5 लाख 97 हजार 700 रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध कुल 6 लाख 6 हजार 757 रुपये की धनराशि एकत्रित की गई जो प्रशासन की सक्रियता और जनसहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस सराहनीय प्रदर्शन के लिए मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल द्वारा जिला प्रशासन को प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान न केवल जिले के प्रशासनिक अधिकारियों के प्रयासों की पहचान है बल्कि जिलेवासियों की देशभक्ति और सहयोग भावना का भी प्रतीक है। जिला



सैनिक कल्याण अधिकारी द्वारा आयोजित समय-सीमा बैठक के दौरान कलेक्टर कार्यालय को टूफों एवं प्रशस्ति पत्र सौंपा गया। इस अवसर पर अधिकारियों और कर्मचारियों ने

इस उपलब्धि को सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया और भविष्य में भी इसी प्रकार के कार्यों में अग्रणी रहने का संकल्प व्यक्त किया। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस का उद्देश्य देश के वीर

सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों के कल्याण हेतु धनराशि एकत्रित करना होता है। इस दिन आमजन से स्वच्छ से सहयोग लेकर सैनिकों के सम्मान और उनके परिवारों की सहायता के

लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। सीधी जिले में भी इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए व्यापक स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाया गया जिससे लोगों ने बड़े-चढ़कर योगदान दिया। जिला प्रशासन ने विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों के सहयोग से इस अभियान को सफल बनाया। अधिकारियों ने स्वयं भी सक्रिय भागीदारी निभाते हुए लोगों को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित किया। परिणामस्वरूप, निर्धारित लक्ष्य से अधिक राशि एकत्रित करना संभव हो सका। प्रशासन के अनुसार इस उपलब्धि के पीछे सभी विभागों का समन्वित प्रयास, योजनाबद्ध रणनीति और जनसहभागिता प्रमुख कारक रहे हैं। विशेष रूप से युवाओं और

विद्यार्थियों ने भी इस अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया जिससे समाज में देशभक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को बल मिला। जिला प्रशासन ने इस उपलब्धि के लिए सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया है। साथ ही यह भी कहा गया है कि भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी और राष्ट्रसेवा से जुड़े अभियानों को इसी उत्साह के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। यह सम्मान जिले के लिए गर्व का विषय है और इससे प्रशासन तथा नागरिकों को आगे भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के माध्यम से एकत्रित की गई यह राशि देश के वीर सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान देगी जो समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी को भी दर्शाती है।

NCL अमलोरी परियोजना के पास जंगल में आग: जीएम कार्यालय प्रबंधन पर उठे सवाल



मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में एनसीएल अमलोरी परियोजना के ठीक पास जंगल में लगी आग ने एक बार फिर प्रबंधन की जिम्मेदारी और तत्परता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना स्थल से महाप्रबंधक (जीएम) का कार्यालय महज करीब 500 मीटर की दूरी पर मौजूद है बावजूद इसके आग पर समय रहते काबू पाने की कोई ठोस कोशिश नजर नहीं आई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जंगल में आग धीरे-धीरे विकराल रूप लेती गई पेड़-पौधे जलते रहे और पूरे इलाके में घना धुआं फैल गया जिससे आसपास के लोग दहशत में आ गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि आग बढ़ती रही लेकिन मौके पर न तो फायर

ब्रिगेड की तत्परता दिखी और न ही एनसीएल प्रबंधन की ओर से कोई तत्काल कार्रवाई की गई। एक स्थानीय निवासी विजय सिंह ने बताया कि हम लोग डर गए थे आग तेजी से फैल रही थी लेकिन मदद के लिए कोई नहीं आया सब कुछ जैसे नजरअंदाज किया गया। इस घटना के बाद यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या एनसीएल केवल कागजों में ही सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की बात करता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब जीएम कार्यालय इतनी नजदीक है तो क्या यह आग प्रबंधन की तजवी से ओझल रही या जानबूझकर अनदेखी की गई फिलहाल इस मामले में एनसीएल की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

## मॉडल साइंस कॉलेज में बस शुल्क विवाद

एनएसयूआई का विरोध, 10 दिन में समाधान नहीं तो आंदोलन की चेतावनी



मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। पीएम एक्ससीएस (मॉडल साइंस कॉलेज) में छात्रों से कथित रूप से जबरन बस शुल्क वसूले जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस मुद्दे को लेकर एनएसयूआई रीवा के जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जोरदार विरोध दर्ज कराया और छात्र हितों की रक्षा के लिए कड़ा रुख अपनाया है। प्रतिनिधिमंडल ने

इस संबंध में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में छात्रों पर अनिवार्य रूप से बस शुल्क थोपे जाने को अनुचित बताया हुए तत्काल निराकरण की मांग की गई। एनएसयूआई का कहना है कि यह निर्णय न केवल छात्र विरोधी है बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों पर अतिरिक्त बोझ भी डाल रहा है। जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने

कहा कि कॉलेज में बसों की संख्या सीमित है और उनका संचालन केवल दो राउंड में प्रस्तावित है। ऐसे में हजारों छात्रों से बस शुल्क वसूलना तर्कसंगत नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब बसों की क्षमता 35 से 40 सीटों तक सीमित है तो लगभग सात हजार छात्रों को सुविधा देना संभव कैसे होगा यह व्यवस्था व्यवहारिक नहीं है और प्रशासन की लापरवाही को दर्शाती है। एनएसयूआई ने स्पष्ट किया है कि बस शुल्क केवल उन्हीं छात्रों से लिया जाना चाहिए जो वास्तव में इस सेवा का उपयोग करते हैं सभी छात्रों पर समान रूप से शुल्क लागू करना अन्यायपूर्ण है और इससे विशेष रूप से गरीब एवं मध्यमवर्गीय छात्रों को आर्थिक

कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान छात्र नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि कॉलेज प्रशासन द्वारा बिना पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित किए ही शुल्क वसूली शुरू कर दी गई है जो नियमों के विरुद्ध है। उन्होंने मांग की है कि इस निर्णय को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए और छात्रों को राहत प्रदान की जाए। एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि 10 दिनों के भीतर इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो संगठन बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। पंकज उपाध्याय ने कहा कि आंदोलन उग्र और व्यापक होगा जिसमें सैकड़ों छात्र भाग लेंगे और इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

त्योथर में टिकट कटने के बाद मिले भाजपा नेता, विधायक ने पूर्व विधायक को पहनाई माला



मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के त्योथर में एक वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान मौजूदा भाजपा विधायक सिद्धार्थ तिवारी और पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी एक साथ नजर आए। विधानसभा चुनाव में टिकट कटने के बाद से चल रही अनबन के बीच दोनों नेताओं की यह पहली सार्वजनिक मुलाकात है। सामने आए वीडियो में दोनों नेताओं की मुलाकात केवल औपचारिक नजर आ रही है। फुटेज के अनुसार विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी के पास

पहुंचकर उन्हें माला पहनाई और तुरंत अपनी सीट की ओर आगे बढ़ गए। इस दौरान श्यामलाल द्विवेदी उनका हाथ पकड़कर अभिवादन करते दिखे लेकिन तब तक सिद्धार्थ आगे निकल चुके थे। विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने त्योथर से तत्कालीन विधायक श्यामलाल द्विवेदी को अपना प्रत्याशी बनाया था। इस फैसले के बाद से ही दोनों नेताओं के बीच दूरियां बन गई थीं चुनाव के बाद से दोनों को कभी किसी सार्वजनिक मंच पर एक साथ नहीं देखा गया था।

## लू का येलो अलर्ट जारी: 41 डिग्री पहुंचा तापमान

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में भीषण गर्मी का असर तेज हो गया है। आज सोमवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया गर्म हवाओं और नमी के कारण महसूस होने वाला तापमान 44 से 45 डिग्री तक पहुंच गया है। इसी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने लू को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। पिछले कुछ सालों के आंकड़ों की तुलना में इस बार गर्मी ज्यादा तेज है। 2025 में तापमान 39 डिग्री, 2024 में 40 डिग्री, 2023 में 38.5 डिग्री और 2022 में 37 डिग्री सेल्सियस रहा था। जिला अस्पताल की सिविल सर्जन डॉ. कल्पना रवि ने बताया कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों को सतर्क

कर दिया गया है। लू से प्रभावित मरीजों के लिए अलग बेड, दवाएं और जरूरी उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। सभी सब सेंटर, पीएचसी, सीएचसी और जिला अस्पतालों में लू मरीजों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है पंखे, कूलर और जहां संभव है वहां एसी की सुविधा भी बढ़ाई जा रही है साथ ही जरूरी मेडिकल उपकरण और दवाएं पर्याप्त मात्रा में रखे गए हैं। मेडिकल टीम ने लोगों से दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक घरों से बाहर न निकलने की अपील की है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, तेज बुखार, सिरदर्द, मतली और धड़की लू यानी हीट स्ट्रोक के संकेत हैं ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत अस्पताल जाने की सलाह दी गई है।

जयंत में NCL जमीन से कब्जा हटाने पर विवाद: परिजनों ने जबरन बाउंड्री तोड़ने का आरोप



मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के जयंत क्षेत्र की गोलाई बस्ती में एनसीएल की जमीन से अवैध कब्जा हटाने को लेकर देर रात विवाद हो गया एनसीएल सिक्वोरिटी ने कार्रवाई करते हुए उस जमीन से निर्माण हटाया जहां बबू बंसल की ओर से निर्माण कार्य किया जा रहा था। एनसीएल प्रबंधन के अनुसार यह भूमि कंपनी की संपत्ति है अतिक्रमण की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा टीम को मौके पर भेजकर कब्जा हटाया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस क्षेत्र में अक्सर रात के समय अवैध कब्जे के प्रयास होते रहते हैं जिन्हें रोकने के लिए यह कार्रवाई की गई। दूसरी ओर

बबू बंसल के परिजनों ने इस कार्रवाई पर गंभीर आरोप लगाए हैं उनका कहना है कि वार्ड क्रमांक 18 के पार्षद अखिलेश सिंह, भाजपा बूथ अध्यक्ष विजय सिंह और उनके सहयोगियों ने मिलकर जबरन बाउंड्री गिरा दी परिजनों ने इसे गरीब परिवार के साथ अन्याय बताया हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। इस मामले पर पार्षद अखिलेश सिंह ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है उन्होंने कहा कि कुछ दबंगों की ओर से इस कार्रवाई को अड़भड़की को जबरन तोड़ा गया। इसके विरोध में वे पीड़ित परिवार के साथ पुलिस चौकी पहुंचे हैं और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

## गेहूं उपार्जन में नई व्यवस्था: मध्यम व बड़े किसानों के लिए स्लॉट बुकिंग शुरू, 9 मई तक बढ़ी अवधि

मीडिया ऑडिटर, मऊगंज (निप्र)। जिले में गेहूं उपार्जन प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित और किसान हितैषी बनाने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा स्लॉट बुकिंग की सुविधा का विस्तार किया गया है। अब छोटे किसानों के साथ-साथ मध्यम एवं बड़े कृषक भी इस सुविधा का लाभ उठाकर निर्धारित समर्थन मूल्य पर अपनी उपज का विक्रय कर सकेंगे शासन द्वारा स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 9 मई तक बढ़ा दी गई है जिससे अधिक से अधिक किसान इस व्यवस्था से जुड़ सकें। इस नई व्यवस्था के तहत किसान पहले से स्लॉट बुक कर निर्धारित समय पर उपार्जन केंद्रों में पहुंचेंगे जिससे भीड़भाड़, लंबी प्रतीक्षा और अव्यवस्था जैसी समस्याओं से राहत मिलेगी प्रशासन का मानना है कि इससे



उपार्जन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुचारु बनेगी। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने गत दिवस पत्नी स्थित गेहूं उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र पर तौल व्यवस्था, भंडारण, साफ-सफाई और किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्दिष्ट किया कि स्लॉट बुकिंग प्रणाली का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि जिले के

अधिक से अधिक किसान इसका लाभ उठा सकें। कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्रों पर किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इसके लिए सभी आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए उन्हीं तौल प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने और किसानों को समय पर मुआता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उपस्थित किसानों से

सौधे संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुने। किसानों ने स्लॉट बुकिंग व्यवस्था को उपयोगी बताया हुए प्रशासन के इस प्रयास की सराहना की कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों से प्राप्त सुझावों के आधार पर व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार किया जाए। उल्लेखनीय है कि जिले में राज्य शासन के निर्देशानुसार पंजीकृत किसानों से स्लॉट बुकिंग के आधार पर गेहूं की खरीदी की जा रही है। शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल के साथ 40 रुपये बोसम जोड़कर कुल 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं उपार्जन किया जा रहा है जिले में कुल 26 उपार्जन केंद्र स्थापित किए गए हैं जहां यह प्रक्रिया संचालित हो रही है।

## एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल: सीधी के विद्यार्थियों ने नागालैंड की संस्कृति को जाना, हवाई यात्रा से किया शैक्षणिक भ्रमण



मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत सीधी जिले के विद्यार्थियों को पूर्वोत्तर

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। इस योजना के तहत मध्यप्रदेश राज्य की जोड़ी

मणिपुर और नागालैंड के साथ बनाई गई है जिसका उद्देश्य विभिन्न राज्यों के बीच सांस्कृतिक, भाषाई और सामाजिक आदान-प्रदान के

माध्यम से राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना है। इसी क्रम में जिले के विद्यालयों में विद्यार्थियों को मणिपुर एवं नागालैंड की परंपराओं, जीवनशैली और सांस्कृतिक विविधताओं से अवगत कराने हेतु कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। भाषण, नृत्य, नाटक, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, पेंटिंग और निबंध प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों में इन राज्यों के प्रति रुचि और जागरूकता विकसित की गई। एपीसी रमसा डॉ. सुजीत कुमार मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अपनी के छात्र मुकेश कोरी एवं मॉडल स्कूल खजुरी की छात्रा अंकिता

तिवारी का चयन नागालैंड के शैक्षणिक भ्रमण के लिए किया गया। दोनों विद्यार्थियों ने 20 से 24 अप्रैल तक भोपाल से हवाई मार्ग द्वारा नागालैंड की यात्रा की, जो उनके लिए एक अनूठा और प्रेरणादायक अनुभव रहा। भ्रमण से लौटने के बाद विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि नागालैंड की जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक परिधान, लोकनृत्य और खान-पान अत्यंत आकर्षक एवं विशिष्ट हैं। उन्होंने वहां के लोगों के सरल स्वभाव, आपसी भाईचारे और प्राकृतिक सौंदर्य की भी सराहना की। विद्यार्थियों के अनुसार यह यात्रा न केवल ज्ञानवर्धक रही बल्कि उन्हें देश की विविधता को समझने का

अवसर भी मिला। इस शैक्षणिक भ्रमण में मार्गदर्शन हेतु उपनी विद्यालय की शिक्षिका कृष्णा मिश्रा और अमरवाह हायर सेकेंडरी के शिक्षक हेमांगद शुक्ल भी साथ रहे। शिक्षिका कृष्णा मिश्रा ने बताया कि ऐसे भ्रमण विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे उनमें राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक सम्मान और व्यापक दृष्टिकोण विकसित होता है। जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह एवं एडीपीसी ओशा उजसव ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल से विद्यार्थियों को देश की विविधता को नजदीक से समझने का अवसर मिलता है।

## बरातियों से भरी पिकअप पलटी एक की मौत, 3 गंभीर घायल

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। जिले के गोहपारु थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में एक शख्स की मौत हो गई जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा सेमरा तिरहे के पास हुआ जब बरातियों को लेकर लौट रहा एक मालवाहक अनियंत्रित होकर पलट गया। पुलिस के अनुसार गोहपारु के सोनटोला गांव से बारात छत्तीसगढ़ के मलताडोल गई थी। विवाह समारोह संपन्न होने के बाद बाराती अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान अप्रत्याशित तिरहे के पास वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के तुरंत बाद

मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने राहत कार्य शुरू किया। उन्होंने घायलों को वाहन से बाहर निकाला और गोहपारु अस्पताल पहुंचाया। घायलों में सुंदर सिंह (40), पिता रामलाल और तीन अन्य व्यक्ति शामिल थे। गोहपारु अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद सुंदर सिंह की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल शहडोल रेफर किया गया वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अन्य तीन घायलों को भी बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है जहां उनका उपचार जारी है।

## चिट्ठे के खिलाफ महिलाएं :घर से शुरु हुई नशे के खिलाफ लड़ाई

आमतौर पर नशाखोरी के खिलाफ जब किसी गांव को 'रेड जोन' घोषित किया जाता है, तो यह आधिकारिक तौर पर एक सामाजिक चेतावनी होती है। लेकिन शिमला के कुछ हिस्सों में घोषित यह चेतावनी पुलिस या प्रशासन द्वारा नहीं, बल्कि उन महिलाओं द्वारा जारी की गई है जो परिवारों व समाज को नशे के नासूर से बचना चाहती हैं। पति हो या बेटा, नशे की हर त्रासदी का त्रास महिलाएं ही भुगतती हैं। वह चाहे किसी अपने को असमय खोना हो या आर्थिक रूप से परिवारिक

क्षति हो। यही वजह है कि नशे के खिलाफ अभियान को जमीनी हकीकत बनाने के मकसद से माताएं, बहनें और पत्नियां घर की चौखट से बाहर निकलकर सार्वजनिक रूप से मुखर हुई हैं। महिलाओं के नेतृत्व में चलने वाले इस अभियान को गति देने के लिये सतर्कता समूह बनाये गए हैं। जिसमें नशे के कारोबार और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिये रात्रि गश्त भी शामिल है। साथ ही नशे की लत के शिकार लोगों को नशामुक्ति केंद्रों तक ले जाने में पहल की जा

रही है। निस्संदेह, महिलाएं पुरुष व्यवहार को समझने में खासी संवेदनशील होती हैं। वे नशा करने वाले किसी परिवारिक सदस्य के व्यवहार में बदलाव, भावनात्मक टूटन व नशे के कारण होने वाली आर्थिक तंगी पर पैनी दृष्टि रखती हैं। उनके व्यक्तिगत अनुभवों के फलस्वरूप वे आधिकारिक रिपोर्ट आने से पहले ही नशे की

लत में जकड़े लोगों को पहचानने का प्रयास करती हैं। निस्संदेह, जमीनी स्तर पर चलाए जा रहे इस अभियान के सार्थक परिणाम आने की उम्मीद जगी है। निर्विवाद रूप से पुलिस व प्रशासन की छापेमारी और गिरफ्तारियां नशे की आपूर्ति पर किसी हद तक अंकुश लगा सकती हैं, लेकिन टूट-बिखर रहे घरों को नहीं बचाया जा सकता।

निस्संदेह, नशाखोरी के कई सामाजिक आयाम भी हैं, जिसे सामाजिक स्तर पर पहल करके रोका जा सकता है। रचनात्मक पहल से ही उन कारकों को संबोधित किया जा सकता है जो नशीले पदार्थों को बढ़ावा देते हैं। चाकई सामुदायिक स्तर पर सतर्कता बेहद जरूरी है और महिलाएं इसका नेतृत्व करने में सक्षम भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं। सही मायनों में हिमाचल सरकार की 'चिट्ठे विरोधी पदयात्रा' और 'महिला मंडलों' की सार्थक पहल का स्वागत किया जाना चाहिए।

निस्संदेह, इस रचनात्मक पहल को संस्थागत स्तर भी समर्थन देने की जरूरत है क्योंकि नशे के कारोबार में संगठित गिरोह भी गहरे तक जुड़े रहते हैं। ऐसे में मादक पदार्थों के तस्करों का सामना करने वाली महिलाओं को अपराधियों की धमकी आदि जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। जिसके लिये सक्रिय पुलिसिंग, गवाहों को सुरक्षा देने, नशा मुक्ति के लिए पुनर्वास सुविधाएं और लगातार जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता भी होगी।

### अमेरिकी राष्ट्रपति पर हमला मतलब सुरक्षा में भारी चूक

सौरभ वाषण्य

अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में आयोजित व्हाइट हाउस कॉरिस्पॉन्डेंट्स डिनर-जो परंपरागत रूप से प्रेस की स्वतंत्रता और सत्ता के बीच संवाद का प्रतीक माना जाता है। इस बार एक भयावह सुरक्षा चूक का गवाह बन गया। जिस आयोजन में पत्रकार, राजनेता और नीति-निर्माता एक मंच पर आते हैं, वहीं गोलियों की आवाज ने लोकतंत्र के इस उत्सव को दहशत में बदल दिया। शनिवार रात आयोजित इस कार्यक्रम में एक सशस्त्र हमलावर ने सुरक्षा घेरा तोड़ने की कोशिश की और गोलीबारी कर दी। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि अमेरिकी राष्ट्रपति को तत्काल कार्यक्रम से सुरक्षित बाहर लेकर जाना पड़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति पर हुआ हमला केवल एक व्यक्ति या पद पर आघात नहीं है, बल्कि यह विश्व के सबसे पुराने लोकतंत्रों में से एक की संस्थाओं, स्थिरता और सुरक्षा व्यवस्था पर सीधा प्रश्नचिह्न है। अमेरिका जैसे देश, जो वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक मूल्यों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कानून के शासन का प्रतिनिधित्व करता है, वहां इस तरह की घटना गहरी चिंता पैदा करती है।

सबसे पहले, यह घटना बताती है कि दुनिया के सबसे सशक्त देशों में भी सुरक्षा तंत्र अक्षम नहीं है। राष्ट्रपति की सुरक्षा को अत्यंत उच्च स्तर का माना जाता है, फिर भी यदि उस पर हमला संभव हो जाता है, तो यह सुरक्षा एजेंसियों की रणनीति और खुफिया तंत्र की समीक्षा की मांग करता है। यह केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि संभावित रूप से बढ़ती आंतरिक अस्थिरता का संकेत भी हो सकता है। दूसरा पहलू राजनीतिक ध्रुवीकरण का है। हाल के वर्षों में अमेरिका में वैचारिक विभाजन तीव्र हुआ है। ऐसी परिस्थितियों में हिंसक घटनाएं केवल सुरक्षा की कमी नहीं, बल्कि सामाजिक असंतोष और राजनीतिक कड़वाहट के उभार का परिणाम भी हो सकती हैं। यदि लोकतांत्रिक संवाद की जगह आक्रोश और हिंसा ले लेते हैं, तो यह किसी भी लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। तीसरा, इस घटना के अंतरराष्ट्रीय प्रभाव भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। अमेरिका वैश्विक राजनीति का केंद्र है, और वहां की अस्थिरता का असर विश्व अर्थव्यवस्था, कूटनीति और सुरक्षा पर पड़ सकता है। सहयोगी देशों के लिए यह चिंता का विषय है कि क्या अमेरिका अपनी आंतरिक चुनौतियों के बीच वैश्विक नेतृत्व की भूमिका प्रभावी ढंग से निभा पाएगा।

हालांकि, यह भी ध्यान देने योग्य है कि लोकतंत्र की असली ताकत उसकी पुनरुत्थान क्षमता में होती है। अमेरिका ने अपने इतिहास में कई संकट देखे हैं-चाहे वह गृहयुद्ध हो, आतंकवादी हमले हों या राजनीतिक उथल-पुथल-और हर बार उसने संस्थाओं को मजबूत करते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया है। यह घटना एक स्पष्ट संदेश देती है कि लोकतंत्र केवल चुनौतियों से नहीं चलता, बल्कि उसे निरंतर संवाद, सहिष्णुता और संस्थागत मजबूती की आवश्यकता होती है। अमेरिका के लिए यह आत्ममंथन का क्षण है-और दुनिया के अन्य लोकतंत्रों के लिए भी एक चेतावनी कि राजनीतिक असहमति को हिंसा में बदलने से रोकना कितना आवश्यक है।

यह घटना सिर्फ एक आपराधिक कृत्य नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था की गहरी खामियों को उजागर करती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावर होटल में पहले से ठहरा हुआ था और सुरक्षा जांच में कई स्तरों पर चूक हुई-यहां तक कि कुछ क्षेत्रों में पर्याप्त निगरानी और मेटल डिटेक्टर जैसी बुनियादी व्यवस्थाएं भी नहीं थीं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि हमलावर हथियारों के साथ कार्यक्रम स्थल के काफी करीब पहुंच गया और उसने एक सुरक्षा चौकी पर हमला किया। यदि यह हमला कुछ सेकंड और अग्रसर हो जाता, तो इसके परिणाम कहीं अधिक भयावह हो सकते थे। एक एजेंट के घायल होने की खबर इस बात का संकेत है कि खतरा कितना वास्तविक था। यह सवाल उठना स्वाभाविक है-क्या अमेरिका जैसे देश में, जहां सुरक्षा एजेंसियां दुनिया की सबसे सक्षम मानी जाती हैं, इतनी बड़ी चूक कैसे हो सकती है? व्हाइट हाउस कॉरिस्पॉन्डेंट्स डिनर केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह उस लोकतांत्रिक भावना का प्रतीक है जहां सत्ता और मीडिया एक साथ बैठकर संवाद करते हैं। लेकिन यह घटना बताती है कि खुलापन और सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना कितना कठिन हो गया है।

## सुरक्षित कार्यस्थल, स्वस्थ कर्मचारी, समृद्ध राष्ट्र:विश्व कार्यस्थल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवस

सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 28 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) द्वारा विश्व कार्यस्थल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। वास्तव में, इस दिवस का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थलों पर काम करने वालों की उचित सुरक्षा, उनके बेहतर स्वास्थ्य तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस हमें यह याद दिलाता है कि सुरक्षित कार्यस्थल केवल कर्मचारियों का अधिकार ही नहीं, बल्कि उत्पादकता (प्रोडक्टिविटी) बढ़ाने और समाज तथा राष्ट्र के आर्थिक विकास के लिए भी अनिवार्य है। सच तो यह है कि कोई भी काम किसी व्यक्ति की जान या उसके स्वास्थ्य से बड़ा नहीं हो सकता। स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है। हमारे यहां कहा भी गया है कि-पहला सुख निरोगी काया। दुनिया की तमाम धन-दौलत, ऊंचे पद और सुख-सुविधाएं, विलासिता, सबकुछ व्यर्थ है, यदि मनुष्य का शारीरिक स्वस्थ न हो। हमें यह याद रखना चाहिए कि स्वस्थ मस्तिष्क ही हमारी रचनात्मक सोच का आधार है और मस्तिष्क व शरीर स्वस्थ होगा तभी कोई मनुष्य कठिन परिश्रम कर सकता है। सच तो यह है कि जब हम स्वस्थ और सुरक्षित होते हैं, तब अधिक रचनात्मक, अधिक उत्पादक बनते हैं और जीवन में सफलता का आधार तैयार करते हैं। स्वस्थ रहकर हम न केवल अपने जीवन का असली आनंद लेते हैं, बल्कि अपनी आर्थिक स्थिति को भी सुरक्षित व सही रख सकते हैं। अक्सर यह कहा जाता कि एक बीमार राजा की तुलना में एक स्वस्थ भिखारी अधिक सुखी और शक्तिशाली होता है।

हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलू कि अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन विश्वभर में विभिन्न श्रमिकों के अधिकारों तथा सुरक्षित कार्यस्थलों के लिए कार्य करता है। पाठक जानते हैं कि आज पूरी दुनिया में हर वर्ष लाखों लोग कार्यस्थल दुर्घटनाओं या काम से जुड़ी अनेक बीमारियों व रोगों का शिकार होते हैं। विश्व कार्यस्थल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवसको मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल दुर्घटनाओं को रोकना, व्यावसायिक रोगों से बचाव करना, कर्मचारियों के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य की रक्षा करना तथा एक सुरक्षित, सुंदर व अच्छी कार्य संस्कृति विकसित करना है। यहां पाठकों को बताता चलू कि व्यावसायिक रोग वे रोग या बीमारियां हैं, जो किसी व्यक्ति को उसके काम, कार्यस्थल या पेशे की परिस्थितियों के कारण हो जाती हैं। अर्थात् नौकरी या व्यवसाय से जुड़े वातावरण, रसायनों, धूल, शोर, तनाव, मशीनों या संक्रमण के



कारण होने वाले रोग व्यावसायिक रोग कहलाते हैं।

आज बहुत से लोग ऐसे कल-कारखानों में काम करते हैं, जहां उन्हें अनेक प्रकार की बीमारियां घेर लेती हैं। उदाहरण के तौर पर पटाखों के कारखानों में जलने की दुर्घटनाएं, बारूद की गंध, धुएँ से आंखों व त्वचा के गंभीर और खतरनाक रोग तथा विस्फोट से चोट लगने की घटनाएं होती हैं। बीड़ी बनाने के उद्योगों में खांस, अस्थमा, फेफड़ों की बीमारी, त्वचा एलर्जी तथा निकोटीन से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होती हैं। रसायनों के कारखानों में सांस, त्वचा, आंखों, लीवर और फेफड़ों के रोगों का खतरा बना रहता है। इन उद्योगों में काम करने वाले श्रमिकों को व्यावसायिक रोगों का अधिक खतरा इसलिए रहता है, क्योंकि वहां धूल, धुआँ, जहरीले पदार्थ, आग, विस्फोट, तेज गंध और लगातार संपर्क जैसी परिस्थितियाँ होती हैं। बहरहाल, यदि यहां सरल शब्दों में कहा जाए तो धूल भरे कारखानों में काम करने वालों को फेफड़ों की बीमारियाँ, जैसे अस्थमा और सिलिकोसिस, हो सकती हैं। रसायनों के संपर्क से त्वचा रोग उत्पन्न हो सकते हैं, विशेषकर फैक्ट्री, लैब या सफाई कार्य में लगे कर्मचारियों को। बहुत तेज शोर में काम करने से सुनने की समस्या उत्पन्न हो सकती है, विशेषकर मशीनरी उद्योगों में। कार्यालय कर्मियों में लंबे समय तक कंप्यूटर पर बैठने से गर्दन व कमर दर्द की समस्या होती है। अत्यधिक तनाव से मानसिक समस्याएँ, जैसे चिंता और अवसाद, बढ़ सकती हैं। अस्पताल कर्मियों में संक्रमण का खतरा बना रहता है, जैसे हेपेटाइटिस बी तथा कोविड। ऐसे उद्योगों और कार्यस्थलों पर काम करने वालों के लिए मास्क, दस्ताने, वेंटिलेशन, प्रशिक्षण, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा सुरक्षा कानूनों का पालन अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से यह दिवस हर वर्ष मनाया जाता है। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलू, सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवस का प्रमुख कारण बनता है।

हाल फिलहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि यह दिवस केवल कारखानों तक सीमित नहीं है, बल्कि कार्यालयों, स्कूलों, अस्पतालों, निर्माण स्थलों, खेतों, दुकानों और ऑनलाइन कार्यस्थलों पर भी समान रूप से लागू होता है। हमें यह बात अपने मन में रखनी चाहिए कि यदि हमारे देश के कार्यस्थल सुरक्षित होंगे तो कर्मचारी सुरक्षित व स्वस्थ रहेंगे, और यदि किसी देश के कर्मचारी स्वस्थ व सुरक्षित होंगे तो वह देश खुशहाली और उन्नयन की ओर अग्रसर होगा। शायद यही कारण है

बड़ी दुर्घटनाएं हुई हैं। मसलन, इसी साल यानी कि वर्ष 2026 में इतीहासगत रूप से सक्ती स्थित वेदाता पावर प्लांट में बॉयलर विस्फोट हुआ, जिसमें लगभग 25 श्रमिकों की मृत्यु हुई और कई घायल हुए। इसी वर्ष तमिलनाडु के विरुधुनगर में पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हुआ, जिसमें 25 से अधिक लोगों की जान गई। इतना ही नहीं, केरल के त्रिशूर में भी एक अन्य पटाखा इकाई में विस्फोट से लगभग 13 श्रमिकों की मृत्यु हुई और कई घायल हुए। अभी कुछ समय पहले इसी साल फरवरी 2026 में आंध्र प्रदेश के काकोनाडा जिले के पटाखा कारखाने में बड़ा धमाका हुआ, जिसमें करीब 21 लोगों की मृत्यु हुई। इतना ही नहीं, मार्च 2026 में महाराष्ट्र के नागपूर स्थित एक औद्योगिक इकाई में विस्फोट हुआ, जिसमें लगभग 26 श्रमिकों की जान गई।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसी साल यानी कि वर्ष 2026 में अमेरिका के वेस्ट वर्जीनिया स्थित एक रासायनिक संयंत्र में गैस रिसाव की घटना में 2 लोगों की मृत्यु और कई लोग प्रभावित हुए। इसी अवधि में दक्षिण कोरिया के देजॉन की एक फैक्ट्री में आग लगने से 14 लोगों की मृत्यु और दर्जनों घायल हुए। वास्तव में, इन सभी उक्त घटनाओं से यह बिल्कुल स्पष्ट है कि औद्योगिक सुरक्षा नियमों की अनदेखी, प्रशिक्षण की कमी और आपातकालीन व्यवस्था का अभाव कार्यस्थल दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बनता है।

हाल फिलहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि यह दिवस केवल कारखानों तक सीमित नहीं है, बल्कि कार्यालयों, स्कूलों, अस्पतालों, निर्माण स्थलों, खेतों, दुकानों और ऑनलाइन कार्यस्थलों पर भी समान रूप से लागू होता है। हमें यह बात अपने मन में रखनी चाहिए कि यदि हमारे देश के कार्यस्थल सुरक्षित होंगे तो कर्मचारी सुरक्षित व स्वस्थ रहेंगे, और यदि किसी देश के कर्मचारी स्वस्थ व सुरक्षित होंगे तो वह देश खुशहाली और उन्नयन की ओर अग्रसर होगा। शायद यही कारण है

कि इस दिवस का नारा माना जाता है- सुरक्षित कार्यस्थल, स्वस्थ कर्मचारी, समृद्ध राष्ट्र। सच तो यह है कि इस दिवस का सीधा संदेश यही है कि कार्यस्थल पर काम बहुत जरूरी है, लेकिन मनुष्य जीवन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। पेशेवर जोखिमों से कर्मचारियों को बचना ही इस दिवस का मुख्य उद्देश्य है। सरल शब्दों में कहा जा सकता है कि इसका प्राथमिक उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य की संस्कृति को बढ़ावा देना है, ताकि काम से संबंधित मौतों और चोटों की संख्या कम की जा सके।

यदि इस दिवस के इतिहास की बात करें तो अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने वर्ष 2003 में इसे मनाना शुरू किया था। इसका मकसद सुरक्षित काम को अंतरराष्ट्रीय एजेंडे में लाना था। उल्लेखनीय है कि 28 अप्रैल को वर्ष 1996 से ही ट्रेड यूनियन आंदोलन द्वारा मृत और घायल श्रमिकों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्मृति दिवस के रूप में भी मनाया जाता रहा है। वास्तव में, यह दिवस मृतकों के लिए शोक मनाता है और जीवितों के लिए लड़ाई है और यही इसका मूल व अहम संदेश भी है।

इस दिवस की थीम/विषय की बात करें तो पिछले वर्ष अर्थात् 2025 की आधिकारिक थीम थी-एक सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण : श्रम पर एक मौलिक सिद्धांत और अधिकार। इस थीम के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षित वातावरण में काम करना केवल सुविधा नहीं, बल्कि हर श्रमिक का बुनियादी अधिकार है। वहीं, इस वर्ष अर्थात् 2026 की थीम जलवायु परिवर्तन और कार्य सुरक्षा पर केंद्रित है-जलवायु परिवर्तन के प्रभाव में सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण सुनिश्चित करना। सरल शब्दों में कहें तो इस वर्ष की थीम जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न नए खतरों, जैसे अत्यधिक गर्मी और वायु प्रदूषण, पर केंद्रित है। अब आकड़ों पर आते हैं। यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो, हाल ही में अप्रैल 2026 में आई अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में हर वर्ष 8.4 लाख से अधिक मौतें केवल खराब कार्य संस्कृति, लंबे कामकाजी घंटों और कार्यस्थल पर उपेक्षा के कारण हो रही हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि कार्यस्थल पर होने वाली 80 प्रतिशत से अधिक मौतें दुर्घटनाओं से नहीं, बल्कि काम से संबंधित बीमारियों, जैसे कैंसर और हृदय रोग, के कारण होती हैं। खराब सुरक्षा उपायों के कारण दुनिया को अपनी कुल जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) का लगभग 4 प्रतिशत हिस्सा हर

वर्ष गंवाना पड़ता है। खराब स्वास्थ्य और सुरक्षा मानकों के कारण हर साल खरबों डॉलर का नुकसान होता है, जो कई छोटे देशों की पूरी अर्थव्यवस्था से भी बड़ा है। इसका अर्थ है कि इससे किसी भी देश की अर्थव्यवस्था पर अत्यंत बुरा और व्यापक प्रभाव पड़ता है।

यह भी उल्लेखनीय है कि हाल के वर्षों में बर्नआउट और तनाव को भी पेशेवर स्वास्थ्य जोखिमों की श्रेणी में शामिल किया गया है, जो पहले केवल शारीरिक चोटों तक सीमित था। अर्थात् आज मानसिक स्वास्थ्य को भी पेशेवर स्वास्थ्य जोखिमों की श्रेणी में शामिल कर लिया गया है। आज एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और संचार क्रांति का युग है। अच्छी बात यह है कि रोबोट और एआई अब खतरनाक कार्यों, जैसे गहरी खदानों या जहरीली गैसों के बीच, इंसानों की जगह ले रहे हैं, जिससे मौतें कम हुई हैं। किन्तु इसका नकारात्मक पक्ष भी है। एआई की वजह से बढ़ती जाँब इनसिक्वियोरिटी अर्थात् नौकरी जाने का डर श्रमिकों में नए मृतकों के लिए शोक मनाता है और जीवितों के लिए लड़ाई है और यही इसका मूल व अहम संदेश भी है।

इस दिवस की थीम/विषय की बात करें तो पिछले वर्ष अर्थात् 2025 की आधिकारिक थीम थी-एक सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण : श्रम पर एक मौलिक सिद्धांत और अधिकार। इस थीम के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षित वातावरण में काम करना केवल सुविधा नहीं, बल्कि हर श्रमिक का बुनियादी अधिकार है। वहीं, इस वर्ष अर्थात् 2026 की थीम जलवायु परिवर्तन और कार्य सुरक्षा पर केंद्रित है-जलवायु परिवर्तन के प्रभाव में सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण सुनिश्चित करना। सरल शब्दों में कहें तो इस वर्ष की थीम जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न नए खतरों, जैसे अत्यधिक गर्मी और वायु प्रदूषण, पर केंद्रित है। अब आकड़ों पर आते हैं। यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो, हाल ही में अप्रैल 2026 में आई अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में हर वर्ष 8.4 लाख से अधिक मौतें केवल खराब कार्य संस्कृति, लंबे कामकाजी घंटों और कार्यस्थल पर उपेक्षा के कारण हो रही हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि कार्यस्थल पर होने वाली 80 प्रतिशत से अधिक मौतें दुर्घटनाओं से नहीं, बल्कि काम से संबंधित बीमारियों, जैसे कैंसर और हृदय रोग, के कारण होती हैं। खराब सुरक्षा उपायों के कारण दुनिया को अपनी कुल जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) का लगभग 4 प्रतिशत हिस्सा हर

वर्ष गंवाना पड़ता है। खराब स्वास्थ्य और सुरक्षा मानकों के कारण हर साल खरबों डॉलर का नुकसान होता है, जो कई छोटे देशों की पूरी अर्थव्यवस्था से भी बड़ा है। इसका अर्थ है कि इससे किसी भी देश की अर्थव्यवस्था पर अत्यंत बुरा और व्यापक प्रभाव पड़ता है। यह भी उल्लेखनीय है कि हाल के वर्षों में बर्नआउट और तनाव को भी पेशेवर स्वास्थ्य जोखिमों की श्रेणी में शामिल किया गया है, जो पहले केवल शारीरिक चोटों तक सीमित था। अर्थात् आज मानसिक स्वास्थ्य को भी पेशेवर स्वास्थ्य जोखिमों की श्रेणी में शामिल कर लिया गया है। आज एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और संचार क्रांति का युग है। अच्छी बात यह है कि रोबोट और एआई अब खतरनाक कार्यों, जैसे गहरी खदानों या जहरीली गैसों के बीच, इंसानों की जगह ले रहे हैं, जिससे मौतें कम हुई हैं। किन्तु इसका नकारात्मक पक्ष भी है। एआई की वजह से बढ़ती जाँब इनसिक्वियोरिटी अर्थात् नौकरी जाने का डर श्रमिकों में नए मृतकों के लिए शोक मनाता है और जीवितों के लिए लड़ाई है और यही इसका मूल व अहम संदेश भी है।

इस दिवस की थीम/विषय की बात करें तो पिछले वर्ष अर्थात् 2025 की आधिकारिक थीम थी-एक सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण : श्रम पर एक मौलिक सिद्धांत और अधिकार। इस थीम के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षित वातावरण में काम करना केवल सुविधा नहीं, बल्कि हर श्रमिक का बुनियादी अधिकार है। वहीं, इस वर्ष अर्थात् 2026 की थीम जलवायु परिवर्तन और कार्य सुरक्षा पर केंद्रित है-जलवायु परिवर्तन के प्रभाव में सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण सुनिश्चित करना। सरल शब्दों में कहें तो इस वर्ष की थीम जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न नए खतरों, जैसे अत्यधिक गर्मी और वायु प्रदूषण, पर केंद्रित है। अब आकड़ों पर आते हैं। यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो, हाल ही में अप्रैल 2026 में आई अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में हर वर्ष 8.4 लाख से अधिक मौतें केवल खराब कार्य संस्कृति, लंबे कामकाजी घंटों और कार्यस्थल पर उपेक्षा के कारण हो रही हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि कार्यस्थल पर होने वाली 80 प्रतिशत से अधिक मौतें दुर्घटनाओं से नहीं, बल्कि काम से संबंधित बीमारियों, जैसे कैंसर और हृदय रोग, के कारण होती हैं। खराब सुरक्षा उपायों के कारण दुनिया को अपनी कुल जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) का लगभग 4 प्रतिशत हिस्सा हर

वर्ष गंवाना पड़ता है। खराब स्वास्थ्य और सुरक्षा मानकों के कारण हर साल खरबों डॉलर का नुकसान होता है, जो कई छोटे देशों की पूरी अर्थव्यवस्था से भी बड़ा है। इसका अर्थ है कि इससे किसी भी देश की अर्थव्यवस्था पर अत्यंत बुरा और व्यापक प्रभाव पड़ता है। यह भी उल्लेखनीय है कि हाल के वर्षों में बर्नआउट और तनाव को भी पेशेवर स्वास्थ्य जोखिमों की श्रेणी में शामिल किया गया है, जो पहले केवल शारीरिक चोटों तक सीमित था। अर्थात् आज मानसिक स्वास्थ्य को भी पेशेवर स्वास्थ्य जोखिमों की श्रेणी में शामिल कर लिया गया है। आज एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और संचार क्रांति का युग है। अच्छी बात यह है कि रोबोट और एआई अब खतरनाक कार्यों, जैसे गहरी खदानों या जहरीली गैसों के बीच, इंसानों की जगह ले रहे हैं, जिससे मौतें कम हुई हैं। किन्तु इसका नकारात्मक पक्ष भी है। एआई की वजह से बढ़ती जाँब इनसिक्वियोरिटी अर्थात् नौकरी जाने का डर श्रमिकों में नए मृतकों के लिए शोक मनाता है और जीवितों के लिए लड़ाई है और यही इसका मूल व अहम संदेश भी है।

इस दिवस की थीम/विषय की बात करें तो पिछले वर्ष अर्थात् 2025 की आधिकारिक थीम थी-एक सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण : श्रम पर एक मौलिक सिद्धांत और अधिकार। इस थीम के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षित वातावरण में काम करना केवल सुविधा नहीं, बल्कि हर श्रमिक का बुनियादी अधिकार है। वहीं, इस वर्ष अर्थात् 2026 की थीम जलवायु परिवर्तन और कार्य सुरक्षा पर केंद्रित है-जलवायु परिवर्तन के प्रभाव में सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण सुनिश्चित करना। सरल शब्दों में कहें तो इस वर्ष की थीम जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न नए खतरों, जैसे अत्यधिक गर्मी और वायु प्रदूषण, पर केंद्रित है। अब आकड़ों पर आते हैं। यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो, हाल ही में अप्रैल 2026 में आई अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में हर वर्ष 8.4 लाख से अधिक मौतें केवल खराब कार्य संस्कृति, लंबे कामकाजी घंटों और कार्यस्थल पर उपेक्षा के कारण हो रही हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि कार्यस्थल पर होने वाली 80 प्रतिशत से अधिक मौतें दुर्घटनाओं से नहीं, बल्कि काम से संबंधित बीमारियों, जैसे कैंसर और हृदय रोग, के कारण होती हैं। खराब सुरक्षा उपायों के कारण दुनिया को अपनी कुल जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) का लगभग 4 प्रतिशत हिस्सा हर

## भारतीय राजनीति के ये जय चंद और मीर जाफ़र

तनवीर जाफ़री

कुछ नेता इर, लालच या भयवश इधर से उधर करने को बाध्य हुये तो दल बदल के लिये उतावले कई नेता पार्टी में अपनी उम्मीद का बहाना बनाकर चलते बने। यह और बात है कि ऐसे अनेक लोग दल बदल कर जहाँ गए वहाँ भी वे देखते देखते लापता हो गये।

पिछले दिनों आम आदमी पार्टी को भी उस समय एक बार फिर जबरदस्त झटका लगा जबकि उसके राज्य सभा के दस में से सात सांसदों ने दल बदल कर भाजपा में शरण ले लीं। ये सभी सात सांसद पंजाब राज्य से निर्वाचित होकर आये थे। गौरतलब है कि इस समय आम आदमी पार्टी केवल पंजाब में ही सत्ता में है। और इसी राज्य के 7 राज्य सभा सांसदों के पार्टी बदलने के बाद अब कई विधायकों के भी दल बदल की संभावना जताई जा रही है। इस दल बदल के मुख्य सूत्रधार के रूप में राघव चड्ढा को देखा जा रहा है। राघव चड्ढा वहीं हैं जो कई बार यह कह चुके हैं कि भाजपा अनपढ़ गूंडों की पार्टी है। यह गुंडों को संरक्षण देने वाली पार्टी है। राघव चड्ढा पिछले दिनों राज्यसभा में उठये गये कई जनहितकारी मुद्दों को लेकर जनता में काफी लोकप्रिय हो गये थे। उन्होंने संसद में गिरा बर्कस की सुरक्षा, एयरपोर्ट पर आम लोगों को मिलने वाला महंगा खाना, गरीब आदमी का मिनिमम बैलेंस कम होने पर उसपर लगने वाली बैंक पैन्ल्टी, पैट्रिन्टी लीव, स्वास्थ्य सेवा, इनकम टैक्स जैसे अनेक मुद्दे



उठये थे। तथा इन मुद्दों पर सरकार से एक्शन लेने की मांग भी की थी। इन दलबदल करने वालों में एक राज्यसभा सांसद का नाम अशोक मित्तल है। ये उस लवली ग्रुप के मालिक हैं जिसका वार्षिक टर्नओवर 7850 करोड़ का बताया जा रहा है। मित्तल, लवली प्रोपेजन्स लूनिवर्सिटी, लवली अटोड्रेज, लवली स्वीट्स जैसे संस्थानों के स्वामी हैं। अभी कुछ दिन पहले ही मित्तल के लगभग सभी ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ED) की छापेमारी हुई थी। और आखिरकार इन्होंने भी भाजपा की शरण में जाकर अपने व्यवसायिक साम्राज्य की रक्षा करने में ही अपनी बर्नाई समझी।

बहरहाल जितने भी चेहरे आम आदमी पार्टी

छोड़ भाजपा में गये हैं उनमें से किसी का भी कोई पूर्व राजनैतिक अनुभव नहीं है। हरभजन सिंह क्रिकेटर को छोड़ जिसने भी अपनी पहचान बनाई है वह केजरीवाल व आप पार्टी के साथ काम कर ही बनाई है। हालांकि केजरीवाल व आप का साथ छोड़कर जाने वाले नेताओं की फेहरिस्त भी बहुत लंबी है। यह भी सच है कि केजरीवाल के आचरण व स्वभाव में जरूर कुछ न कुछ कमी है जिसके चलते प्रशांत भूषण व योगेंद्र यादव जैसे अनेक बुद्धिजीवी व सुलझे हुये लोग भी केजरीवाल को छोड़कर चले गये। परन्तु इस ताजातरीन दलबदल के बाद जनता की इस बिल्कुल विपरीत है। जनता इस बार के

दलबदलों को तो लुना इतिहास के गद्दार जय चंद व मीर जाफ़र से कर रही है। यह सरसर पंजाब के उल्लोणों से धोखा व गद्दारी है जिन्होंने इन दलबदलों को मान सम्मान देकर राज्य सभा में भेजा। ऐसा माना जा रहा है कि पहले भी विभिन्न राज्यों में राजनैतिक तोड़फोड़ कर सत्ता परिवर्तन करने वाली भाजपा पंजाब में भी निर्वाचित सरकार को गिराने या अस्थिर करने के लिये आम आदमी पार्टी के विधायकों के साथ भी यही चिन्तना खेल, खेल सकती है।

परन्तु भाजपा व इनके पाले में गये अवसरवादी दलबदलों को इसबार यह खेल महंगा पड़ सकता है। क्योंकि इस दल बदल से आम जनता में भारी रोष है। कई किसान नेता भी खुलकर इन अवसरवादियों के विरुद्ध मैदान में आ गए हैं। जिससे ऐसा लगता है कि इन लोगों का भविष्य जनता के बीच जाना आसान नहीं होगा। इस बात की भी उम्मीद की जा रही है कि भाजपा ने अगले वर्ष राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों के पहले जिन उम्मीदों से ऑपरेशन लोटस चलाया था उन उम्मीदों पर भी पानी फिरने वाला है। यह भी क्रयास लगाये जा रहे हैं कि यदि इस राजनैतिक घटनाक्रम से आम आदमी पार्टी को नुकसान हुआ भी तो भी भाजपा को कोई फ़ायदा नहीं मिलने वाला। बजाये इसके कांग्रेस जरूर राज्य में अपनी स्थिति मजबूत कर सकती है। उभर क़ानूनी जानकारों का भी कहना है कि यह सातों सांसद भले ही दो तिहाई सदस्यों के पार्टी छोड़ने को दल

बदल क़ानून के दायरे से बाहर बता रहे हों परन्तु वास्तव में ऐसा नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि सांसदों से पहले यदि आम आदमी पार्टी के सदस्यों द्वारा बाकायदा दो तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पारित कर पार्टी छोड़ने की घोषणा की गयी होती उसके बाद ही सांसदों का दो तिहाई दल बदल क़ानूनी रूप से सही माना जाता। परन्तु चूँकि पार्टी की तरफ से ऐसा कुछ भी नहीं है इसलिए इन सभी का दलबदल पूरी तरह ग़ैरक़ानूनी है। लिहाजा यदि राज्य सभा के सभापति से लेकर अदालत तक ने समय रहते ईमानदारी से फ़ैसला किया तो इन सभी दलबदलों को भी राज्य सभा सदस्यता जा सकती है।

बहरहाल यह महाराष्ट्र नहीं जहाँ भाजपा ने शिवसेना में विभाजन करार कर सत्ता हथियाने का चक्रव्यूह रचा था। बल्कि यह वह पंजाब है जिसने किसान आंदोलन में इसी सरकार को नाकों ने बसाने और विवादाित कृषि क़ानून वापस लेने पर मजबूर कर दिया था। पंजाब में ही कांग्रेस व अकाली दल छोड़कर अपने उज्ज्वल राजनैतिक कैरियर की तलाश में भाजपा में शामिल अनेक प्रमुख नेताओं का आज कोई अता पता ही नहीं है। भारतीय राजनीति के इन जय चंदों और मीर जाफ़रों को भी न तो पंजाब की जनता बख़्शने वाली है न ही भाजपा में इन्हें वह मान सम्मान व अवसर मिलने वाला है जो इन्हें आम आदमी पार्टी में हासिल था। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सिद्धांत व विचारविहीन राजनीति करते हुये अपनी सुविधा, लाभ व राजनैतिक भविष्य के मद्देनजर दल बदल करना हमारे देश में एक हकीकत बन चुकी है। सच पूछिए तो वर्तमान सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की पूरी सत्ता इस समय दल बदलों के भरोसे ही चल रही है। इस समय केंद्रीय मंत्री, मुख्य मंत्री, सांसद विधायक जैसे तमाम पदों पर कल के कांग्रेसी आज के भाजपाई बने देखे जा सकते हैं। इनमें कई तो लंबे समय तक विपक्ष की भूमिका में न रह पाए और संघर्ष व विपक्ष की राजनीति में सक्षम न हो पाने के कारण किसी न किसी बहाने से भाजपा में शामिल हुये। तो कई भ्रष्ट लोग जेल जाने या क़ानूनी कार्रवाई से बचने के लिये राजनैतिक धर्म परिवर्तन करने को मजबूर हुये।

## ज्ञान भारतम् अभियान

# एमसीबी जिले में पांडुलिपि सर्वे शुरू, 1850 की दुर्लभ हस्तलिखित ग्रंथों का डिजिटलीकरण

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। ज्ञान भारतम् अभियान के अंतर्गत राज्य शासन के निर्देशानुसार मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में प्राचीन पांडुलिपियों (हस्तलिखित ग्रंथों) के संरक्षण और दस्तावेजीकरण हेतु व्यापक सर्वे अभियान प्रारंभ कर दिया गया है। इस महत्वपूर्ण पहल का उद्देश्य जिले में उपलब्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों की पहचान कर उनका संरक्षण एवं डिजिटलीकरण सुनिश्चित करना है। जिला कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के मार्गदर्शन में इस अभियान के सफल संचालन के लिए जिला

स्तरीय समिति का गठन किया गया है। अभियान के तहत तीन मास्टर ट्रेनर और 137 सर्वेक्षकों की नियुक्ति की गई है जिन्हें जिले की सभी ग्राम पंचायतों में जाकर पांडुलिपियों की खोज एवं सर्वेक्षण का दायित्व सौंपा गया है। कलेक्टर द्वारा सभी सर्वेक्षकों की ऑनलाइन बैठक आयोजित कर उन्हें अभियान की विस्तृत जानकारी दी गई तथा सर्वे कार्य को गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ संपन्न करने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि सर्वेक्षण के दौरान ऐसी पांडुलिपियों की पहचान की जाएगी जो कम से कम 60 से 70 वर्ष या उससे अधिक पुरानी हों। विशेष रूप



से पुस्तकालयों, मंदिरों, मठों एवं निजी संग्रहकर्ताओं के पास ऐसी दुर्लभ पांडुलिपियां मिलने की संभावना अधिक है जिनका ऐतिहासिक महत्व अत्यंत

मूल्यवान है। अभियान के अंतर्गत चिरमिरी निवासी प्रदीप कुमार बेहरा जो पेशे से व्याख्याता हैं के निवास पर एक उल्लेखनीय उपलब्धि सामने

आई। यहां लगभग सन 1850 की उड़िया भाषा में लिखी गई करीब छह दुर्लभ पांडुलिपियों का पता चला जिन्हें टीम द्वारा डिजिटलीकरण कर संरक्षित

किया गया। इस कार्य में ज्ञान भारतम् अभियान के जिला नोडल अधिकारी डॉ. विनोद पांडेय चिरमिरी नगर निगम के महापौर रामनरेश राय एवं रिदेश श्रीवास्तव की उपस्थिति रही। इस दौरान उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने प्रदीप कुमार बेहरा द्वारा वर्षों से इन पांडुलिपियों को सुरक्षित रखने के प्रयासों की सराहना की। महापौर रामनरेश राय ने इसे सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम बताते हुए आमजन से अपील की कि वे अपने पास उपलब्ध प्राचीन पांडुलिपियों की जानकारी प्रशासन को दें ताकि उनका संरक्षण किया जा सके।

## विश्व मलेरिया दिवस पर मनेन्द्रगढ़ में जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर जिला में स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत नर्सिंग कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने शहर में जनजागरूकता रैली निकालकर मलेरिया उन्मूलन का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत स्थानीय

सिविल अस्पताल परिसर मनेन्द्रगढ़ से हुई जहां हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. स्वप्निल तिवारी एवं खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस. एस. सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली में शामिल छात्र-छात्राएं हाथों में जागरूकता संदेश लिखी तख्तियां लिए हुए थे और जन-जन ने ये उना है मलेरिया को जड़ से मिटाना है जैसे नारों के साथ शहर में प्रसूख मार्गों से गुजरते हुए आम नागरिकों को जागरूक करते रहे।

रैली के दौरान विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया, जिसमें मलेरिया के कारण, लक्षण, रोकथाम और उपचार के विषय में सरल भाषा में जानकारी दी गई। छात्र-छात्राओं ने अपने अभिनय के माध्यम से यह संदेश दिया कि घरों और आसपास पानी जमा न होने दें नियमित रूप से सफाई रखें मच्छरदानों का उपयोग करें तथा बुखार आने पर तुरंत जांच कराएं। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने बताया कि मलेरिया एक गंभीर लेकिन पूर्णतः रोके जाने योग्य बीमारी है यदि समय पर सावधानी बरती जाए एवं मलेरिया नियंत्रण हेतु निरंतर सर्वे जांच एवं दवा वितरण जैसी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने आमजन से अपील की कि किसी भी प्रकार के बुखार को

नजर अंदाज न करें और नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच अवश्य कराएं। जिला मलेरिया अधिकारी डा. नखता चक्रवर्ती ने भी लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि सामुदायिक भागीदारी के बिना मलेरिया उन्मूलन संभव नहीं है। कार्यवाहक जिला मलेरिया सलाहकार राय सिंह श्याम ने बताया कि मलेरिया के रोकथाम के लिए नियमित फॉगिंग, लार्वा नियंत्रण एवं जागरूकता कार्यक्रम लगातार चलाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में जिला क्षय अधिकारी डॉ. वासिक अंसदक, डॉ. अतीक सोनी (आरबीएसके नोडल अधिकारी), मो. सुलेमान खान (विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक), जिला मलेरिया सलाहकार राय सिंह, विनीता रजवाड़े, ज्योति गुप्ता एवं युवा अनुम सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

## गोवंश संरक्षण के लिए निकली रैली, माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के कोलारस कस्बे में सोमवार को गोवंश संरक्षण की मांग को लेकर एक रैली निकाली गई। इस दौरान राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। यह रैली धर्मशाला स्थित हनुमान मंदिर से शुरू हुई जिसमें बड़ी संख्या में गोभक्त, संत समाज और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। रैली एगोर रोड एकी रोड और जगतपुर मार्ग से होते हुए तहसील कार्यालय पहुंची। रैली में शामिल प्रतिभागियों ने गोवंश संरक्षण, संवर्धन और इसके लिए सख्त कानून बनाने की मांग को

लेकर नारे लगाए। तहसील कार्यालय में तहसीलदार प्रदीप भार्गव को ज्ञापन सौंपा गया। इसमें गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने देशी गोवंश की सुरक्षा गो-आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने, गोवध पर पूर्ण प्रतिबंध के लिए कठोर कानून बनाने और केंद्र स्तर पर गोसेवा मंत्रालय की स्थापना जैसी प्रमुख मांगें शामिल थीं। गोभक्तों ने कहा कि गोवंश भारतीय संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है लेकिन वर्तमान में उनकी स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने सरकार से इस दिशा में शीघ्र ठोस कदम उठाने की अपील की।

## 40 मीटर ऊंचे टावर पर चढ़ा प्रेमी जोड़ा शायदी कराने की मांग को लेकर 3 घंटे तक किया हंगामा



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के तेंदुआ थाना क्षेत्र में सोमवार को एक प्रेमी जोड़े ने शायदी की मांग को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़कर हंगामा कर दिया। जानकारी के अनुसार गणेशखेड़ा गांव निवासी मोहर सिंह आदिवासी और ललित आदिवासी एक-दूसरे से प्रेम करते हैं और शायदी करना चाहते थे लेकिन परिवार की नाराजगी के चलते उनकी बात नहीं बन पा रही थी। इसी से नाराज होकर दोनों ने यह कदम उठाया भीषण गर्मी में दोपहर के समय जहां तापमान करीब 42 डिग्री रहा इसी बीच कपल को

करीब 40 मीटर ऊंचे टॉवर पर देख लोगों में सनसनी फैल गई सोमवार दोपहर करीब 12:30 बजे दोनों अचानक जिओ कंपनी के मोबाइल टावर पर चढ़ गए और नीचे खड़े लोगों के सामने शायदी करवाने की मांग करने लगे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को समझाया। करीब तीन घंटे तक स्थिति बनी रही। करीब साढ़े तीन बजे पुलिस ने दोनों को शायदी कराने का आश्वासन दिया जिसके बाद वे नीचे उतरने को तैयार हुए। नीचे उतरने के बाद पुलिस दोनों को तेंदुआ थाने ले गई जहां आगे की कार्रवाई की जा रही है।

## विश्व मलेरिया दिवस पर विशेष अभियान: 480 से अधिक गर्भवती महिलाओं की हुई जांच

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। विश्व मलेरिया दिवस (25 अप्रैल) के अवसर पर जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर 480 से अधिक गर्भवती महिलाओं की मलेरिया जांच की गई। यह अभियान प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के निर्देशन में संचालित किया गया। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक गर्भवती महिला तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना और मलेरिया जैसी गंभीर बीमारी से समय रहते बचाव सुनिश्चित करना था। जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों-जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं उप-



स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाली गर्भवती महिलाओं की अनिवार्य जांच की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष रणनीति बनाकर यह सुनिश्चित किया गया कि कोई भी महिला जांच से वंचित न रहे विशेषकर वे महिलाएं जो पहले किसी कारणवश जांच नहीं करा सकी थीं। विकासखंडवार आंकड़ों के अनुसार खंडवार में 101, भरतपुर में 118 तथा मनेन्द्रगढ़ में 266 गर्भवती

महिलाओं की जांच की गई। उल्लेखनीय है कि सभी जांच रिपोर्ट निगेटिव प्राप्त हुई हैं जो जिले में मलेरिया नियंत्रण की मजबूत स्थिति को दर्शाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार गर्भावस्था के दौरान मलेरिया संक्रमण मां और शिशु दोनों के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकता है। समय पर जांच और उपचार से इन जोखिमों से बचाव संभव है। इसी उद्देश्य से

पीएमएसएमए दिवस पर 100 प्रतिशत जांच का लक्ष्य निर्धारित कर सफलतापूर्वक पूरा किया गया। अभियान के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने गर्भवती महिलाओं को मलेरिया से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक भी किया। उन्हें मच्छरदानों के नियमित उपयोग, स्वच्छता बनाए रखने, पानी का उठराव रोकने तथा बुखार जैसे लक्षण दिखने पर तत्काल जांच कराने की सलाह दी गई। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे मलेरिया उन्मूलन में सहयोग करें और स्वच्छ वातावरण बनाए रखें। किसी भी प्रकार के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं।

## भीषण गर्मी में राहत की पहल: भरतपुर के गांवों में बंद हैंडपंप हुए दुरुस्त, पेयजल संकट में कमी

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में लगातार बढ़ती गर्मी और गहराते जल संकट के बीच प्रशासन ने ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था सुधारने के लिए त्वरित कदम उठाए हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत भरतपुर विकासखंड के कई गांवों में लंबे समय से बंद पड़े हैंडपंपों को दुरुस्त कर पुनः चालू किया गया है जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विभागीय टीम ने हाल ही में ग्राम पंचायत घाघरा, बेला और लरकोडा का दौरा किया। इन क्षेत्रों में कई



हैंडपंप लंबे समय से खराब स्थिति में थे जिसके कारण ग्रामीणों को पेयजल के लिए काफी दूरी तय करनी पड़ती थी।

विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर हैंडपंपों का निरीक्षण किया और तत्काल मरम्मत कार्य करते हुए उन्हें फिर से चालू कर

दिया। इस त्वरित कार्रवाई से गांवों में पेयजल की उपलब्धता में सुधार आया है। भीषण गर्मी के मद्देनजर प्रशासन ने पेयजल

आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा है। अधिकारियों ने निर्देश दिए हैं कि जहां भी हैंडपंप खराब हैं, उन्हें तत्काल सुधारकर चालू किया जाए ताकि ग्रामीणों को पानी की समस्या से जूझना न पड़े। PHE विभाग की सक्रियता और तत्परता के चलते अब ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल के लिए दूर-दूर तक भटकने की आवश्यकता नहीं रही। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन की इस पहल का स्वागत करते हुए इसे राहत देने वाला कदम बताया है। उनका कहना है कि गर्मी के इस कठिन समय में हैंडपंपों के दुरुस्त होने से दैनिक जीवन में काफी

सुविधा हुई है। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि जिले के अन्य प्रभावित क्षेत्रों में भी इसी तरह से हैंडपंप सुधार कार्य लगातार जारी है। प्रशासन का उद्देश्य है कि इस भीषण गर्मी के दौरान जिले के किसी भी गांव में पेयजल संकट उत्पन्न न हो। इसके लिए विभाग द्वारा निरंतर निगरानी रखी जा रही है और आवश्यकतानुसार त्वरित कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने आमजन से भी अपील की है कि वे जल संरक्षण के उपाय अपनाएं और पानी का सदुपयोग करें ताकि सभी को पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध हो सके।

## सीएम राइज स्कूल का उद्घाटन

## ज्योतिरादित्य सिंधिया बोले- विकास के लिए न रुकूंगा, न झुकूंगा



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शिवपुरी में मेडिकल कॉलेज के पास सांदीपनी सीएम राइज स्कूल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने शिवपुरी के विकास के प्रति अपील की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि न रुकूंगा और न झुकूंगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंधिया ने बताया कि उनके पूर्वज माधव महाराज ने शिवपुरी को भगवान शिव के नाम पर श्रीष्मकालीन राजधानी के रूप में स्थापित किया था उन्होंने जोर दिया कि वे अब इस जिले के विकास के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। सीएम राइज स्कूल के उद्घाटन के दौरान, सिंधिया ने शिक्षकों को घराती और बच्चों को बराती बताते हुए इस आशाओं का संगम करार दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने देश-विदेश के कई शिक्षण संस्थानों में शिक्षा प्राप्त की है लेकिन यह स्कूल भी अंतरराष्ट्रीय मानकों से कम नहीं है उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि काश वे आज 8 साल के बच्चे होते तो उन्हें यहां पढ़ने का अवसर मिलता इस अवसर पर सिंधिया ने शहर के वार्ड 1 से 39 तक लगभग 40 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने 5 करोड़ रुपये के वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट 1

करोड़ रुपये के बस स्टैंड विकास कार्य और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगभग 2.75 करोड़ रुपये के आवासों की सीमागत भी दी। सिंधिया ने शिवपुरी शहर के सौंदर्यीकरण के लिए 50 करोड़ रुपये लाने की भी घोषणा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह राशि सरकारी बजट से नहीं बल्कि एक निजी कंपनी के माध्यम से जुटाई जाएगी जिसका उद्देश्य शहर को और अधिक आकर्षक बनाना है। स्वास्थ्य सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए सिंधिया ने बड़ी घोषणाएं कीं। उन्होंने बताया कि शिवपुरी मेडिकल कॉलेज की बिस्तर क्षमता 400 से बढ़ाकर 600 की जाएगी और जिला अस्पताल को भी 600 बिस्तरों वाला बनाया जाएगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि पहले 408 पदों में से 133 पद रिक्त थे। पिछले एक साल में 72 पद भरे गए हैं जिनमें कई विशेषज्ञ डॉक्टर शामिल हैं अब केवल 60 पद खाली हैं जिन्हें शीघ्र ही भरने का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम के दौरान एक दिलचस्प स्थिति भी देखने को मिली जब मंच पर लगे बैनर में नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा का फोटो नहीं था हालांकि केंद्रीय मंत्री के मंच पर पहुंचने से पहले ही इस गलती को सुधारते हुए उनका फोटो बैनर पर चिपका दिया गया।

## 8वीं तक के स्कूलों में छुट्टी: भीषण गर्मी के चलते 30 अप्रैल तक अवकाश घोषित



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। पड़ रही भीषण गर्मी और लू को देखते हुए प्रशासन ने स्कूलों को बंद कर दिया है। कलेक्टर के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी (DEO) ने प्री-प्राइमरी से लेकर कक्षा 8वीं तक के सभी शासकीय और निजी स्कूलों में 30 अप्रैल 2026 तक अवकाश घोषित कर दिया है। छात्रों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया यह आदेश आज 27 अप्रैल से लागू हो गया है। प्रशासन ने बड़ी कक्षाओं के विद्यार्थियों को भी गर्मी से बचाने के लिए स्कूल के समय में बदलाव किया है कक्षा 9वीं से लेकर 12वीं तक की कक्षाएं अब सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक ही संचालित की जाएंगी। सभी बोर्ड के स्कूलों पर लागू होगा आदेश जिला शिक्षा अधिकारी

विवेक श्रीवास्तव द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, अवकाश और समय में बदलाव का यह नियम जिले के सभी स्कूलों पर अनिवार्य रूप से लागू होगा। इनमें एमपी बोर्ड, सीबीएसई (CBSE), आईसीएसई, केंद्रीय विद्यालय सहित शासन से मान्यता प्राप्त सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूल शामिल हैं। शिक्षकों को आना होगा परीक्षाएं तय समय पर होंगी आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि स्कूलों में केवल बच्चों के लिए अवकाश घोषित किया गया है जबकि शिक्षकों को पूर्ववत अपने दायित्व निभाने होंगे। इसके अलावा पहले से निर्धारित परीक्षाएं और अन्य आवश्यक शैक्षणिक गतिविधियां अपनी तय समय-सारणी के अनुसार ही संचालित की जाएंगी। उनमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

## बस ऑपरेटर पर फायरिंग, सरपंच पति सहित 15 पर केस; पूर्व मंत्री के भतीजे संग किया हमला

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। हथियारों से लैस बदमाशों ने एक बस संचालक के घर पर हमला कर दियावारदात कोतवाली क्षेत्र के सिंहनिवास गांव में रात करीब 10:30 बजे हुई। बदमाशों ने 'टेरर टेक्स' और पुरानी रॉजश के चलते इस घटना को अंजाम दिया सरपंच पति और पूर्व मंत्री के भतीजे समेत अन्य आरोपियों ने घर में घुसकर ताबड़तोड़ फायरिंग की। हमले में बस संचालक जय सिंह बाल-बाल बच गए। गोली उनके बाएं हाथ को छूकर निकल गई पुलिस ने 12 नामजद और 3 अज्ञात लोगों पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर लिया है। सरपंच पति का नाम प्रभाव रावत और पूर्व मंत्री के भतीजे का नाम रोहित धाकड़ है कुछ आरोपियों को

हिरासत में भी ले लिया गया है। फरियादी जय सिंह ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले प्रभाव, प्रमोद और प्रगत रावत से 2017 से विवाद चल रहा है रात तीनों भाई अपने साथियों के साथ 315 बोर की बंदूक, पिस्टल, देशी कट्टा, कुल्हाड़ी और लोहे की रॉड लेकर जबरन घर में घुस आए। प्रमोद ने 315 बोर की बंदूक से फायर किया जो हाथ को छूकर निकला। वहीं प्रभाव ने पिस्टल से दो फायर किए। इसके बाद आरोपियों ने घर में मौजूद दीवान सिंह, मजबूत निकल गई पुलिस ने 12 नामजद और 3 अज्ञात लोगों पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर लिया है। सरपंच पति का नाम प्रभाव रावत और पूर्व मंत्री के भतीजे का नाम रोहित धाकड़ है कुछ आरोपियों को

## टीचर को कार ने मारी टक्कर, गंभीर घायल



**मीडिया ऑडिटर, बीना (निप्र)।** बीना-खिमलासा रोड पर सरस्वती शिशु मंदिर के पास एक कार की टक्कर से स्कूटी सवार शिक्षिका गंभीर रूप से घायल हो गई। यह घटना शिक्षिका के स्कूल जाते समय हुई। उन्हें गंभीर हालत में भोपाल रेफर किया गया है। हादसा सोमवार सुबह की है।

**खिमलासा के सरकारी स्कूल में पदस्थ हैं घायल:** घायल शिक्षिका की पहचान पूजा अहिरवार (29) के रूप में हुई है, जो भोपाल की निवासी हैं और बीना की जागेश्वरी कॉलोनी में किराए पर रहती हैं। वह खिमलासा के सरकारी स्कूल में पदस्थ हैं।

**कार ने स्कूटी को मारी टक्कर:** सोमवार को पूजा अपनी स्कूटी से बीना से खिमलासा स्थित स्कूल जा रही थीं। बीना के सरस्वती शिशु मंदिर के पास खिमलासा की ओर से आ रही एक तेज रफतार कार ने एक अन्य वाहन को ओवरटेक करते समय उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी।

**गंभीर हालत में भोपाल रेफर:** टक्कर के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। इस घटना में शिक्षिका की स्कूटी भी क्षतिग्रस्त हो गई। पूजा को पहले सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें भोपाल रेफर कर दिया गया।

## छतरपुर में धमाके के साथ डीपी में लगी

**आग: विस्फोट से चिंगारियां दूर तक फैलीं, बड़ी कुंजरेहटी में हादसा**



**मीडिया ऑडिटर, छतरपुर (निप्र)।** छतरपुर शहर के बड़ी कुंजरेहटी इलाके में रविवार देर शाम एक इलेक्ट्रिक डीपी (ट्रांसफार्मर) में भीषण आग लग गई। आग लगने के साथ हुए जोरदार विस्फोट से आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते डीपी धधकने लगी और चिंगारियां दूर तक फैलने लगीं। घटना के बाद आसपास मौजूद लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। बिजली के खंभे पर लगी डीपी में आग होने के कारण कटफैलने और बड़े हादसे के डर से किसी ने भी पास जाकर आग बुझाने का प्रयास नहीं किया। स्थानीय नागरिकों ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि लंबे समय से ट्रांसफार्मर और बिजली लाइनों का उचित रखरखाव नहीं किया जा रहा है, जिसके कारण ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं। निवासियों के अनुसार, कई स्थानों पर पुराने और जर्जर ट्रांसफार्मर लगे हैं, जो बढ़ते लोड को सहन नहीं कर पा रहे हैं। गमियों में बिजली की मांग बढ़ने से ओवरलोड की समस्या बढ़ जाती है, जिससे ट्रांसफार्मर गर्म होकर आग पकड़ लेते हैं। इसके अतिरिक्त, पुरानी और क्षतिग्रस्त बिजली लाइनें भी शॉर्ट सर्किट और स्पार्किंग का कारण बन रही हैं।

**मजदूर बनकर पहुंची बुरहानपुर पुलिस, जुआरियों पर दबिश देकर पकड़ा जामनिया रोड पर 6 आरोपी गिरफ्तार, नकदी और ताश जब्त**



**मीडिया ऑडिटर, बुरहानपुर (निप्र)।** बुरहानपुर जिले की खकनार पुलिस ने ग्राम जामनिया रोड पर जुआ खेलते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई सिविल ड्रेस में मजदूर बनकर दबिश देकर की, जिससे आरोपियों को भनक तक नहीं लगी और वे जुआ खेलते हुए पकड़े गए। पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पाटीदार ने जुआ और सट्टे पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसी के तहत, देर रात पुलिस को सूचना मिली जिसके बाद टीआई अभिषेक जाधव अपनी टीम के साथ सिविल ड्रेस में मौके पर पहुंचे। मजदूर के वेश में होने के कारण आरोपी पुलिस टीम को पहचान नहीं पाए।

**घेराबंदी कर 6 आरोपियों को पकड़ा:** मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर जुआ खेल रहे छह आरोपियों को पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में विजेश (24) पिता मोजीलाल मावस्कर निवासी ग्राम रगई, वीरेंद्र (30) पिता भारत सूर्यवंशी निवासी खकनार कला, उमेश (35) पिता प्रकाश जाधव निवासी खकनार कला, गोपाल (32) पिता हरिश्चंद्र डोले निवासी खकनार खुर्द, अतुल (40) पिता सुभाष पाटिल निवासी खकनार कला और सुनील (50) पिता भूरा महाजन निवासी खकनार कला शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से नकदी और ताश के पत्ते जब्त किए हैं।

**कार बेकाबू होकर पलटी, दूल्हे के 4 भाइयों की मौत: खंडवा में टक्कर इतनी तेज कि एयरबैग फट गए**

**मीडिया ऑडिटर, खंडवा (निप्र)।** मध्यप्रदेश के खंडवा में एक तेज रफतार कार बेकाबू होकर सड़क किनारे एक मकान से टकराकर पलट गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार एक सड़क से पूरी पिचक गई। कार के एयरबैग खुलकर फट गए। हादसे में दूल्हे के 4 चचेरे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। रविवार को दो भाइयों में से एक को गंभीर हालत में इवैर रेफर किया गया था, जिसकी सोमवार सुबह जान चली गई। हादसा पिपलोद के गुड़ी-लुनहार गांव के पास रविवार शाम 6 बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आशंका है कि कार ड्राइवर ने अचानक हैंड ब्रेक का इस्तेमाल किया, जिससे कार पलटी खा गई और रोड किनारे एक मकान से टकरा गई।

## रतलाम में प्रोडक्ट लाइक के नाम पर 1.24 लाख ठगे ऐप डाउनलोड कराकर फंसाया

**मीडिया ऑडिटर, रतलाम (निप्र)।** रतलाम में ऑनलाइन प्रोडक्ट लाइक कर कमीशन कमाने का लालच देकर एक 24 वर्षीय युवती से 1.24 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने वाट्सएप पर लिंक भेजकर युवती को एक फर्जी ऐप डाउनलोड करवाया और क्यूआर कोड के जरिए अलग-अलग ट्रांजेक्शन कराकर इस वारदात को अंजाम दिया।

युवती की शिकायत के बाद सायबर सेल और माणकचौक थाना पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और बैंक ट्रांजेक्शन के आधार पर ग्वालियर से 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में इनका एक अन्य साथी फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

**100 के बदले 200 रुपए देकर जीता भरोसा, फिर पेंटे लाखों:** ठगों ने वाट्सएप पर लिंक भेजकर युवती को Promotion Pioneers-1 नाम का फर्जी ऐप डाउनलोड करवाया। इसके बाद फोन-पे, गूगल-पे और पेटीएम की



जानकारी लेकर उसे क्यूआर कोड भेजा। शुरुआत में 100 रुपए जमा करवाकर प्रोडक्ट लाइक करने का टास्क पूरा करने पर ठगों ने 200 रुपए लौटाए। भरोसा जीतने के बाद 200 के 300, 1000 के 1500 और 3000 के 6000 रुपए डलवाए। इसी तरह लालच देकर ठगों ने युवती से कुल 1 लाख 24 हजार 100 रुपए जमा कराए लिए। जब

युवती ने और रकम जमा करने के बाद अपने पैसे वापस मांगे, तो ठगों ने लौटाने से मना कर दिया।

**कमीशन का लालच देकर खुलवाया था 'म्यूल अकाउंट':** पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपियों की पहचान करण कुशवाह (22) और दीपू उर्फ दीपक कुशवाह (23) के रूप में हुई है। दोनों ग्वालियर जिले के रहने वाले हैं। पृच्छताछ में

## भूसे पर बाइक चढ़ाने के विरोध करने पर गोली मारी

**मीडिया ऑडिटर, छतरपुर (निप्र)।** छतरपुर जिले के नौगांव थाना क्षेत्र के मातौल गांव में भूसे पर मोटरसाइकिल चढ़ाने को लेकर हुए विवाद में एक महिला को गोली लग गई। घटना में 42 वर्षीय सुमन तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, सुमन तिवारी अपने पति यशपाल तिवारी के साथ घर पर मौजूद थीं। इसी दौरान गांव के रमाकांत तिवारी, उमाकांत और पप्पू तिवारी वहां पहुंचे और घर के बाहर रखे भूसे पर मोटरसाइकिल चढ़ा दी। जब सुमन और यशपाल ने इसका विरोध किया, तो विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने गोली-गोलौज शुरू कर दी।

आरोप है कि रमाकांत तिवारी ने एक अवैध हथियार निकालकर पहले जान से मारने की धमकी दी और फिर सुमन तिवारी पर गोली चला दी। घटना के दौरान 2-3 राउंड गोलियां चलने की बात



सामने आई है। फायरिंग के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद परिजन घायल महिला को तुरंत नौगांव स्वास्थ्य केंद्र ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें छतरपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में मेडिकल ऑफिसर डॉ. अभय सिंह ने उनका प्राथमिक उपचार किया। डॉक्टरों के अनुसार, सर्जिकल विशेषज्ञ की देखरेख में ऑपरेशन की तैयारी की जा रही है, जिसके बाद ही

गोली की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। महिला ने खुद को गोली लगने की बात कही है।

मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि बयानों और साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की जाएगी। पुलिस घायल महिला और उनके परिजनों के बयान दर्ज कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि फायरिंग किन परिस्थितियों में हुई और अवैध हथियार कहाँ से आया।

## खंडवा शादी में ननिहाल आई 9वीं की छात्रा से रेप रात में पानी पीने उठी थी 15 वर्षीय किशोरी 27 वर्षीय आरोपी रिश्तेदार गिरफ्तार

**मीडिया ऑडिटर, खंडवा (निप्र)।** खंडवा जिले के जावर थाना क्षेत्र के ग्राम पीपलकोटा में एक 15 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है।

पीड़िता अपने परिवार के साथ ननिहाल में एक शादी समारोह में गई थी। रविवार तड़के 4 बजे जब वह पानी पीने उठी, तब 27 वर्षीय दूर के रिश्तेदार ने उसे अकेला देखकर ज़्यादाती की।

पुलिस ने केस दर्ज कर रविवार रात ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसे आज सोमवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

**आंगन में सो रही थी, तड़के**



**4 बजे पानी पीने उठी:** ग्राम पीपलकोटा में 26 अप्रैल को शादी समारोह था, जिसमें नाबालिग अपनी मां और पूरे परिवार के साथ शामिल होने आई थी। रात में डीजे पर गाना-बजाना खत्म होने के बाद सभी रिश्तेदार सो गए थे। पीड़िता भी अपनी मां के साथ घर के आंगन में सो रही थी। तड़के 4 बजे नींद खुलने पर वह प्याऊ के पास पानी पीने के

लिए गई थी।

**मुंह दबाकर घर के पीछे ले गया आरोपी:** प्याऊ के पास आरोपी ने नाबालिग को अकेला पाकर दरिंदगी की। पुलिस शिकायत में पीड़िता ने बताया कि, 'वह नौवीं कक्षा की छात्रा है। वह जब पानी पीने के लिए गई तो एक रिश्तेदार आया और बातचीत करने लगा। उसने हाल-चाल पूछने और फिर मेरा मुंह दबाया और मुझे पकड़कर घर के पीछे ले गया। वहां ले जाकर उसने मेरे साथ दरिंदगी की। सुबह हुई तो मैं मां के पास नहीं थी। भाई मुझे ढूंढते हुए आया और फिर अपने साथ घर ले गया। घर पर मैंने मां को रात में हुई घटना के बारे में

आरोपियों ने बताया कि दीपू ने कमीशन का लालच देकर करण का बैंक अकाउंट (म्यूल अकाउंट) खुलवाया था, जिसमें ठगी की रकम मंगाई जाती थी। इस गैंग का तीसरा साथी रिकेश (निवासी अमरोला चिनौल, ग्वालियर) फरार है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर गिराह की आगे की लिक खंगाल रही है।

**एसपी की अपील-अनजान लिंक और क्यूआर कोड से रहें सावधान:** मामले का खुलासा करते हुए एसपी अमित कुमार ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार के ऑनलाइन टास्क, पार्ट-टाइम जॉब, प्रोडक्ट लाइक या निवेश के नाम पर मिलने वाले अनजान लिंक एवं क्यूआर कोड से सावधान रहें। किसी भी लालच में आकर धनराशि ट्रांसफर न करें। यदि साइबर ठगी हो जाए, तो तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर कॉल करें या [www.cybercrime.gov.in](http://www.cybercrime.gov.in) पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं।

## 10 साल के बच्चे की स्मार्ट वॉच में ब्लैस्ट: जुड़वां भाई भी झुलसा शादी समारोह के दौरान फटी घड़ी



**मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)।** नर्मदापुरम में रविवार रात 10 साल के बच्चे की कलाई पर बंधी स्मार्ट वॉच में अचानक विस्फोट हो गया। हादसे में वॉच पहनने वाले बालक का हाथ झुलस गया, जबकि पास बैठा उसका जुड़वां भाई भी इसकी चपेट में आ गया। घटना एक वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान हुई। जानकारी के अनुसार, इटारसी रोड स्थित गार्डन में ग्राम चांदोन निवासी 10 वर्षीय जुड़वां भाई वेदांत चौधरी और सूर्यांश चौधरी शादी में शामिल होने आए थे। रात के समय दोनों भाई एक साथ बैठे हुए थे। वेदांत ने अपने हाथ में स्मार्ट वॉच पहन रखी थी, तभी अचानक उसमें धीमा विस्फोट हुआ।

**वॉच फटने से हाथ जला, भाई भी झुलसा:** स्मार्ट वॉच फटने से वेदांत के हाथ का हिस्सा झुलस गया। हाथ की चमड़ी छिल गई है। पास बैठे उसके भाई सूर्यांश का हाथ भी इसकी चपेट में आ गया। हादसे के बाद घबराए परिजन तुरंत बच्चों के पास पहुंचे। परिजन दोनों बच्चों को रात करीब 1:30 बजे नर्मदा अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने जांच कर उपचार किया। चोटें सामान्य होने के कारण इलाज के बाद दोनों को रात में ही घर भेज दिया गया।

## झांसी रोड पुलिस की सतर्कता से टला बड़ा हादसा, 21 यात्रियों की जान बची



**मीडिया ऑडिटर, भोपाल (निप्र)।** मध्यप्रदेश पुलिस ने एक बार फिर अपनी तत्परता, साहस और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए एक बड़ी दुर्घटना को टाल दिया। ग्वालियर के झांसी रोड थाना क्षेत्र में पुलिस की त्वरित कार्रवाई से आग की चपेट में आई एक यात्री बस से 21 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 26 अप्रैल को सुबह लगभग 5:40 बजे जयपुर से छतरपुर स्थित बागेश्वर धाम जा रही एक वीडियो को बस ग्वालियर के झांसी रोड थाना क्षेत्र से गुजर रही थी। बस में

18 यात्री, 2 चालक और 1 कंडक्टर सहित कुल 21 लोग सवार थे, जिनमें अधिकांश यात्री उस समय नींद में थे। बताया जा रहा है कि जैसे ही बस थाना परिसर के सामने पहुंची, अचानक तेज धमाके के साथ उसका पिछला टायर फट गया। टायर फटने से निकली चिंगारी ने बस के पिछले हिस्से में आग लगा दी। देखते ही देखते बस से धुआं उठने लगा और आग तेजी से फैलने लगी, जिससे स्थिति अत्यंत गंभीर हो गई। थाना परिसर में मौजूद पुलिसकर्मियों ने धमाके की आवाज सुनते ही तुरंत बाहर आकर स्थिति का जायजा लिया। हालात की गंभीरता को भांपते हुए उन्होंने बिना समय गंवाए राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। पुलिसकर्मियों ने बहादुरी और सूझबूझ का परिचय देते हुए बस की खिड़कियों के कांच तोड़े और अंदर फसे यात्रियों को एक-एक कर सुरक्षित बाहर निकाला।

इस दौरान पुलिस ने न केवल त्वरित निर्णय क्षमता दिखाई, बल्कि यात्रियों को घबराने से बचाते हुए संयम बनाए रखा। उनकी सतर्कता और साहसिक प्रयासों के कारण सभी 21 लोगों की जान बचाई जा सकी, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद पुलिस टीम ने आग बुझाने के प्रयास भी तत्काल शुरू कर दिए। थाना परिसर में उपलब्ध बोरवेल से पानी लाकर आग पर काबू पाने की कोशिश की गई। सूचना मिलने पर दमकल दल भी मौके पर पहुंचा और पुलिस के साथ मिलकर आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया। इस सराहनीय कार्यवाही में थाना प्रभारी शक्ति यादव, प्रधान आरक्षक शिव सिंह गुर्जर, रामभरण लोधी, सुरांत चौहान, आरक्षक हरिओम जाट, सलमान, रवि भदौरिया और आकाश छत्री की विशेष भूमिका रही।

## सीहोर में कांटों की कमी से गेहूं की धीमी तुलाई: बिलकिसगंज रोड पर 100 ट्रॉलियों की कतार

**सीहोर, एजेंसी।** सीहोर के उलझान सोसाइटी बेयर हाउस पर गेहूं खरीदी की धीमी गति के कारण किसान परेशान हैं। बिलकिसगंज रोड पर लगभग 100 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लंबी कतार लगी हुई है, जिससे बार-बार जाम की स्थिति बन रही है और राहगीरों को आवाजाही में दिक्कत हो रही है। किसान पिछले 48 घंटों से अपने ट्रैक्टरों पर ही सोने और जगाने को मजबूर हैं। आसमान में बादलों की आवाजाही ने उनकी चिंता बढ़ा दी है। किसानों को डर है कि यदि बेमौसम बारिश हुई, तो उनकी साल भर की मेहनत से उगाया गया गेहूं भीगकर खराब हो सकता है। किसान एमएस मेवाड़ा ने बताया कि खरीदी केंद्रों पर कांटे कम होने के कारण तुलाई धीमी है और बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। उन्होंने सरकार और प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। किसानों की प्रमुख मांगों में कांटों की संख्या तत्काल बढ़ाना, तुलाई में तेजी लाने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की रेट्टी लगाना और केंद्र पर किसानों के लिए छाया व पानी के उचित इंतजाम करना शामिल है।

## मंदसौर पुलिस ने अवैध शराब अड़ों पर दी दबिश खाइयों और गड़ों में छिपाकर रखी 400 लीटर लहान नष्ट, आरोपी फरार



**मीडिया ऑडिटर, मंदसौर (निप्र)।** मंदसौर जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पिपलियामंडी थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना क्षेत्र के काचरिया चंद्रावत गांव में कच्ची शराब बनाने वाले अड़ों पर पुलिस ने दबिश देकर भारी मात्रा में लहान (कच्ची शराब बनाने का घोल) नष्ट किया।

**गुप्त सूचना पर छापा:** थाना प्रभारी विक्रम सिंह इवने के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर सुनियोजित तरीके से कार्रवाई में अंजाम दिया। पुलिस को जानकारी मिली थी कि गांव में कुछ लोग छिपकर अवैध शराब बना रहे हैं, जिसके बाद टीम ने तत्काल रणनीति बनाकर मौके पर दबिश दी।

## तालाब किनारे खाइयों में चल रहा था अवैध कारोबार

जानकारी के अनुसार, अवैध शराब बनाने वाले तत्व तालाबों के आसपास गहरी खाइयों और गड़ों में छिपकर कच्ची शराब तैयार कर रहे थे, ताकि पुलिस की नजर से बच सकें लेकिन पुलिस ने सूझबूझ दिखाते हुए इन छिपे हुए ठिकानों तक पहुंची और कार्रवाई की।

## मौके पर 400 लीटर लहान नष्ट

दबिश के दौरान पुलिस ने करीब 400 लीटर लहान को मौके पर ही नष्ट कर दिया। हालांकि कार्रवाई के दौरान कोई आरोपी पुलिस के हथके नहीं चढ़ सका, जिससे यह अंदेश है कि पुलिस की भनक लगते ही आरोपी मौके से फरार हो गए। थाना प्रभारी विक्रम सिंह इवने ने बताया कि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

## रियान पराग के बचाव में उतरे बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर

टीम प्रबंधन से भी मिल रहा समर्थन



जयपुर, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग का अब तक आईपीएल के इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। कप्तान के तौर पर तो वह सफल रहे हैं और रायल्स अंकतालिक में शीर्ष पांच में बनी हुई है पर बल्लेबाज के तौर पर पराग एक भी मैच में बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। वह अब तक 8 पारियों में केवल 88 रन ही बना पाये हैं। इसके बाद भी टीम प्रबंधन से उनको पूरा समर्थन मिल रहा है। टीम प्रबंधन ही नहीं कोचिंग स्टाफ का भी मानना है कि पराग समय के साथ ही रन बना लेंगे। टीम उनकी बल्लेबाजी को लेकर परेशान नहीं है। टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने पराग का बचाव करते हुए कहा है कि वह सही दिशा में प्रयास कर रहे हैं।

राठौर ने कहा, उनके साथ कुछ भी गड़बड़ी नहीं है। वह नेट्स में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और कड़ी मेहनत कर रहे हैं। कभी-कभी ऐसा दौर आता है जब रन नहीं बनते, पर यह खेल का हिस्सा है। मुझे पूरा भरोसा है कि वह वापसी करेंगे और मजबूत वापसी करेंगे। इससे साफ है कि टीम प्रबंधन व्यक्तिगत प्रदर्शन से कहीं ज्यादा उनके रवैये और टीम के प्रति समर्पण को महत्व दे रहा है। टीम का मानना है कि पराग में लंबी पारी खेलनी की पूरी क्षमता है वह वह समय आने पर रन बना लेंगे। उनकी बल्लेबाजी में कोई कमी नहीं है।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में भी पराग नंबर 4 पर बल्लेबाजी करते हुए केवल 7 रन बना पाये थे। इस सत्र में उनका औसत मात्र 12.57 और स्ट्राइक रेट 112.82 का रहा रहा है। उनका सबसे अधिक स्कोर केवल 20 रन है, ये रन उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ बनाये थे। अब राजस्थान रॉयल्स का आगला मंगलवार को मुकाबला पंजाब किंग्स के खिलाफ है।

इसमें पराग पर अपने को साबित करने का दबाव होगा। इस मैच में टीम को उनसे एक महत्वपूर्ण और निर्णायक पारी की उम्मीद होगी, ताकि वे अपने कप्तान के रूप में टीम को आगे ले जा सकें और प्रशंसकों को भी खुशी का अवसर दे सकें।

## बैडमिंटन में नए स्कोरिंग सिस्टम को मंजूरी, BWF ने की घोषणा

हॉर्सेस (डेनमार्क), एजेंसी। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) के सदस्यों ने 3315 स्कोरिंग सिस्टम को अपनाने की मंजूरी दे दी है। खेल की विश्व शासी संस्था ने घोषणा की कि यह नया फॉर्मेट 4 जनवरी 2027 से लागू होगा। BWF ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि यह प्रस्ताव डेनमार्क के हॉर्सेस में आयोजित BWF की 87वीं वार्षिक आम बैठक में डाले गए वोटों के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत से पारित किया गया।

BWF की अध्यक्ष खुनिंग पटामा लीस्वाइट्ज़कुल ने कहा कि यह फैसला बैडमिंटन के भविष्य के लिए एक अहम मील का पत्थर है। उन्होंने कहा, हम एक ऐसा खेल तैयार कर रहे हैं जो अगली पीढ़ी से जुड़ा हो, और साथ ही हम अपने खिलाड़ियों के लंबे समय के भविष्य में निवेश करना जारी रखेंगे। BWF के अनुसार 3315 स्कोरिंग सिस्टम का मकसद बैडमिंटन को और ज्यादा रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बनाना, मैच के समय को बेहतर बनाना, मैच की अवधि को ज्यादा एक जैसा रखना, और खिलाड़ियों की भलाई और रिक्वरी के लिए संभावित फायदे लाना है।

लीस्वाइट्ज़कुल ने कहा कि इस फॉर्मेट का मकसद मैचों में शुरू में ही ज्यादा दबाव वाले पल लाकर, स्कोर को और ज्यादा करीबी और मैच के अंत को और ज्यादा



नाटकीय बनाना है, जिससे प्रशंसक पहली रैली से लेकर आखिरी रैली तक खेल से जुड़े रहें। फेडरेशन ने बताया कि यह फैसला ज्यादा के सदस्यों और हितधारकों के साथ लंबे समय तक चले परीक्षण, विश्लेषण और परामर्श की प्रक्रिया के बाद लिया गया है।

### कैसे काम करेगा 3315 स्कोरिंग सिस्टम

यह फैसला पिछले दो दशकों में बैडमिंटन में स्कोरिंग से जुड़ा सबसे बड़ा सुधार है। नए 3315 स्कोरिंग सिस्टम के तहत, मैच अभी भी तीन गेमों में से सर्वश्रेष्ठ के आधार पर खेले जाएंगे। हर गेम वह पक्ष जीतेगा जो सबसे पहले 15 अंकों तक पहुंचता है, बशर्ते उसके पास दो अंकों की बढ़त हो। मौजूदा स्कोरिंग सिस्टम के तहत बैडमिंटन मैच आम तौर पर तीन गेमों में से सर्वश्रेष्ठ के आधार पर खेले जाते हैं। हर गेम वह पक्ष जीता है जो सबसे पहले 21 अंकों तक पहुंचता है, बशर्ते उसके पास दो अंकों की बढ़त हो; हालांकि, अगर स्कोर 29-29 पर पहुंच जाता है, तो 30वां अंक बनाने वाला पक्ष गेम जीत जाता है। जो भी टीम रैली जीतती है, उसे एक पॉइंट मिलता है - चाहे सर्विस किसी भी टीम ने की हो। मौजूदा 3321 रैली-पॉइंट स्कोरिंग सिस्टम 2006 में शुरू किया गया था। इसने पहले के 15-पॉइंट वाले फॉर्मेट की जगह ली, जिसमें पॉइंट सिर्फ सर्विस करने वाली टीम को ही मिलते थे।

## वैभव जैसी प्रतिभा एक पीढ़ी में एक बार ही किसी को मिलती है : कैफ

मुंबई, एजेंसी। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने राजस्थान रॉयल्सके युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके जैसी प्रतिभा एक पीढ़ी में एक बार ही किसी खिलाड़ी में मिलती है। कैफ ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ वैभव की विस्फोटक पारी को देखते हुए ये बात कही है। वैभव ने इस मैच में केवल 37 गेंदों में ही 103 रनों की आक्रामक पारी खेली थी। जिसमें 12 छक्के और पांच चौके शामिल थे।

कैफ ने इसी पारी को देखते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में, वैभव आईपीएल में शीर्ष गेंदबाजों पर भी आसानी से बड़े शॉट लगा रहे हैं। उन्होंने वैभव के निडर होकर खेलने के तरीके को विशेष रूप से पसंद किया है। साथ ही कहा कि इस बल्लेबाज ने जिस प्रकार से प्रफुल्लिखित पर लगातार चार छक्के लगाये। वह भी साबित करता है कि वैभव दबाव में नहीं आते जबकि पिछले मैच में हिंजे ने पहली ही गेंद पर उन्हे आउट कर दिया था।

कैफ के अनुसार जिस प्रकार से वैभव ने पैट कर्मिस जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज को निशाना बनाया है वह भी बड़ी बात है। इससे पहले के मुकामलों में उन्होंने जसप्रीत बुमराह और जोफा आर्चर की भी पिटाई की थी। कैफ का मानना है कि वैभव एक निडर क्रिकेटर हैं जो आईपीएल में ऐसे खेल रहे हैं, जैसे वह किसी गली क्रिकेट में

खेल रहे हों। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने सूर्यवंशी के मानसिक रवैये को भी सराहा। उन्होंने कहा, दो सत्र में दो शतक और दोनों ही 250 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से उनकी मानसिक मजबूती को दिखाता है। उन्हे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि गेंदबाज कौन है या मैच की स्थिति क्या है। वह बस लगातार आक्रमण करते रहते हैं।



कैफ ने कहा, वह एक ऐसे अनुभवी खिलाड़ी की तरह बल्लेबाजी करता है, जैसे की उसने एक दशक तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला हो। गेंद की लेंथ को जल्दी पहचानने की उसकी योग्यता, क्रीज पर उसका संतुलन और उसकी जबरदस्त ताकत ये सभी विश्व-स्तर के हैं। इसके अलावा, 15 साल की उम्र में दिमाग शांत बने रहना उसका एक दुर्लभ गुण है। वह इसी प्रकार खेलता रहे तो भारतीय क्रिकेट को दो शतक के लिए एक बेहतरीन बल्लेबाज मिल जाएगा।

## महिला प्रशंसक ने अभिषेक का हाथ पकड़कर खींचा

जयपुर, एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ भी उन्होंने शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अपनी तुफानी बल्लेबाजी के कारण वह प्रशंसकों में भी खासे लोकप्रिय हैं। यही लोकप्रियता अब उनकी मुश्किलें बढ़ा रही है। यहां एक महिला प्रशंसक ने अचानक ही उनका हाथ पकड़ लिया और अपनी ओर खींचने का प्रयास किया। इससे अभिषेक हैरान हो गये। इसी दौरान सुरक्षाकर्मियों ने हस्तक्षेप कर उन्हें छुड़ाया। इससे वह असहज और नाराज दिखे। यह घटना तब हुई जब अभिषेक अपनी टीम के होटल से स्टेडियम की ओर जा रहे थे।

भारत में जिस प्रकार से क्रिकेट का जुनून है उसमें प्रशंसक कभी-कभी अपने स्टार खिलाड़ियों को देखकर बेकाबू हो जाते हैं। वहीं कहा जा रहा है कि प्रशंसकों को भी खिलाड़ियों की निजी सुरक्षा और उनके स्पेस का सम्मान करना चाहिये। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अभिषेक परेशान दिख रहे हैं। वहीं सुरक्षाकर्मी उन्हें भीड़ से बचाने का प्रयास करते दिखे। हालांकि इस घटना के बाद भी अभिषेक की बल्लेबाजी पर कोई असर नहीं पड़ा से यादगार रही। उन्होंने महज 29 गेंदों में शानदार 57 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उनकी इस विस्फोटक पारी में एक छक्का और 11 चौके शामिल थे, जिसने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इस सत्र में ऑरेंज कैप की दौड़ में अभिषेक सबसे आगे हैं, जो उनकी शानदार निरंतरता को दर्शाता है।



## ईशान बोले टीम से बाहर होने पर हिम्मत नहीं हारी, वापसी के लिए प्रयास किया



खिलाड़ी के लिए ऐसा करना सबसे आसान होता है। इससे शायद कुछ लोगों की सहानुभूति मिल जाए, शायद आपको अच्छा लगे, लेकिन इससे कुछ हासिल नहीं होगा।

उन्होंने आगे जोर दिया, राष्ट्रीय टीम में वापसी करने का एकमात्र तरीका रन बनाना था। मैं बस अपने खेल में सुधार करना चाहता था और जितना हो सके उतने रन बनाना चाहता था, भले ही इसका मतलब किसी भी अन्य बल्लेबाज से ज्यादा छक्के लगाना हो। किशन ने बताया कि राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के दौरान खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और भी बढ़ गई। इसी लगन ने उन्हें घरेलू क्रिकेट में लगातार ढेरों रन बनाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा, लगातार रन बनाने से ही आप टीम में वापसी कर सकते हैं। यदि एक सत्र में 300 रन काफी नहीं हैं तो 400 रन बनाएं। अगर यह भी काफी नहीं है तो 500 रन बनाएं। आखिर क्रिकेट ही हमारी आजीविका का साधन है।

विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपनी मानसिकता साझा करते हुए कहा, जब आप टीम से बाहर होते हैं तो आपको इसकी अहमियत समझ आती है और आप हर मैच का सम्मान करने लगते हैं। आपके अंदर अच्छा प्रदर्शन करने और जीत हासिल करने की ललक जाग उठती है। मेरा भी यही लक्ष्य था कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूँ। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के अपने अनुभव पर किशन ने कहा कि इससे उन्हें पारी को गति देने और आखिर तक बल्लेबाजी करने का आत्मविश्वास मिला है।

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल में शानदार बल्लेबाजी कर रहे सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने कहा है कि जब उन्हें साल 2024 में राष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया था। तब भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी थी और वह लगातार अभ्यास करते रहे। ऐसे में टीम से करीब दो साल तक बाहर रहने के बाद भी वह वापसी में सफल रहे। ईशान के अनुसार टीम से बाहर रहने के दौरान उन्होंने हताश होने की जगह पर अपने खेल को बेहतर बनाने और निरंतरता हासिल करने पर ध्यान

दिया। इसी प्रतिबद्धता के बल पर उन्होंने इस साल न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में अपनी जगह मिली। किशन ने अपनी वापसी का श्रेय घरेलू सत्र में शानदार प्रदर्शन को दिया, जहां उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 500 से अधिक रन बनाए और अपनी कप्तानी में झारखंड को प्रतियोगिता का खिताब भी जिताया। उन्होंने कहा, जब मैं भारतीय टीम से बाहर था, तो मैंने खुद से कहा कि मैं इसको लेकर रोना नहीं रो सकता या उदास नहीं हो सकता। किसी भी



मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज दीप दासगुप्ता ने पंजाब किंग्स के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्होंने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। दासगुप्ता के अनुसार प्रभसिमरन ने पिछले सत्र में भी काफी रन

बनाये थे और इस सत्र में भी उन्होंने उस सिलसिले को बरकरार रखा है। दीप ने कहा कि इसके बाद भी जितनी सराहना इस बल्लेबाज को मिलनी चाहिये थे। वह नहीं मिल रही है जबकि अन्य बल्लेबाजों की काफी चर्चाएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि, हम इस खिलाड़ी की उतनी बात नहीं करते, जितनी करनी चाहिए। उन्होंने प्रभसिमरन

## दासगुप्ता ने की प्रभसिमरन की प्रशंसा

बेहतर प्रदर्शन के बाद भी नहीं मिल रहा श्रेय

की निरंतरता पर जोर देते हुए बताया कि पिछले सत्र के बाद भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है और इस साल भी वह लगातार रन बना रहे हैं, फिर भी उनपर किसी का ध्यान नहीं जाता है। दासगुप्ता ने प्रभसिमरन की विकेटकीपिंग की भी तारीफ करते हुए कहा कि वह अपना काम काफी सतर्कता से करते हैं और किसी को चिन्ता करने की जरूरत नहीं रहती है। उन्होंने कहा, प्रभसिमरन की मौजूदगी टीम को एक खास तरह का असर देती है, और एक सलामी बल्लेबाज के तौर पर वह टीम के लिए एक बड़ा अंतर पैदा करते हैं। रहे हैं। इस प्रकार वह दोहरी जिम्मेदारी निभाते हैं। इस बल्लेबाज ने इस सत्र में अब तक खेले गए 6 पारियों में 287 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 57.40 और स्ट्राइक रेट

192.61 का रहा है। इन प्रदर्शनों में तीन शानदार अर्धशतक भी शामिल हैं, जिससे वह अपनी टीम के लिए इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने हुए हैं। टीम की सफलता में उनकी यह निरंतरता और आक्रामक बल्लेबाजी टीम की भी अहम भूमिका रही है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में प्रभसिमरन ने अपनी प्रियांशु आर्या के साथ मिलकर पावरप्ले में तुफानी बल्लेबाजी की। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर पहले 6 ओवरों में रिकॉर्डींग 116 रन जोड़ दिए, जो आईपीएल इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। प्रभसिमरन ने इस दौरान सिर्फ 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और पावरप्ले में ही 23 गेंदों पर 71 रन बना दिए।

## प्लेऑफ के लिए पंजाब सहित ये चार टीमों प्रबल दावेदार बनकर उभरीं

सीएसके, मुंबई सहित अन्य टीमों का बाहर होना तय

मुंबई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र के करीब आधे मुकाबले हो गये हैं। अभी तक कुल 70 मैचों में से 36 मुकाबले पूरे हो गये हैं। इससे बाद प्लेऑफ के लिए अब टीमों के बीच मुकाबला और कड़ा हो गया है। पंजाब किंग्स की टीम इस सत्र में सबसे अधिक अंक लेकर शीर्ष पर चल रही है। पंजाब ने अभी तक खेले गए 7 मैचों में से 6 में जीत दर्ज की है, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उनका एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। इस प्रकार कुल 13 अंकों के साथ, पंजाब अंक तालिका में शीर्ष पर है और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए नंबर एक पर है। आगे दो से तीन मैचों में ही उसे नॉकआउट दौर का टिकट मिलना तय है।

वहीं पंजाब के अलावा, अंक तालिका में शी-4 में शामिल गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स

हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स भी शामिल हैं। राजस्थान और हैदराबाद ने 8-8 मुकाबले खेल लिए हैं, जबकि



बेंगलुरु ने अभी तक 7 मैच खेले हैं। इन तीनों टीमों के भी 10-10 अंक हैं, जिससे ये प्लेऑफ की दौड़ में बचे हुए तीन स्थानों के लिए सबसे बड़े दावेदार के तौर पर उभरे हैं। इनका जबरदस्ता

प्रदर्शन इन्हें इसके योग्य बनाता है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के लिए प्लेऑफ की दौड़ में पहुंचना कठिन है। इन तीनों ही टीमों के 7-7 मैचों के बाद 6-6 अंक हैं। जबकि प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए कम से कम 16 अंकों की जरूरत होती है। ऐसे में चेन्नई, दिल्ली और गुजरात को प्लेऑफ के लिए अपने बचे हुए 7 मैचों से कम से कम 5 मैच जीतने होंगे, जो अभी संभव नजर नहीं आ रहा है।

इसके अलावा मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की बात करें तो ये टीम आईपीएल से बाहर होने की दहलीज पर पहुंच गयी हैं। मुंबई और लखनऊ ने अब तक 7-7 मैच खेले हैं और इनके केवल 4-4 अंक हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन और भी निराशाजनक रहा है, जिसने इतने ही मैचों में केवल एक जीत दर्ज की है। इन तीनों टीमों की वापसी अब संभव नजर नहीं आती।

# मन की बात में छत्तीसगढ़ का निरंतर जिक्र गौरव की बात मंडी उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा का आयोजन

## प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ में काले हिरण संरक्षण प्रयासों की सराहना कर बढ़ाया

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। मन की बात में छत्तीसगढ़ का निरंतर जिक्र गौरव की बात मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय मन की बात में छत्तीसगढ़ का निरंतर जिक्र गौरव की बात मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में छत्तीसगढ़ में काले हिरण के संरक्षण के प्रयासों का उल्लेख किए जाने पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इसे प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों का लगातार जिक्र होना न केवल राज्य की पहचान को सुदृढ़ करता है, बल्कि प्रदेशवासियों के मनोबल को भी नई ऊंचाई प्रदान करता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने राजधानी



रायपुर के भाटागांव स्थित विनायक सिटी में विशाल जनसमूह के साथ 'मन की बात' की 133वीं कड़ी का श्रवण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मन की बात आज देश के जनमानस को जोड़ने वाला एक सशक्त माध्यम बन चुका है, जिसके जरिए

देश के कोने-कोने में हो रहे नवाचार, जनभागीदारी और जमीनी स्तर के उल्लेख प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एक अभिभावक की तरह देशवासियों से संवाद करते हुए न केवल प्रेरणादायक

कहानियों को सामने लाते हैं, बल्कि समाज के हर वर्ग को सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित भी करते हैं। इस संवाद के माध्यम से लोगों में सहभागिता की भावना मजबूत होती है और राष्ट्र निर्माण की दिशा में सामूहिक प्रयासों को नई ऊर्जा मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में काले हिरण संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों का राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेख होना राज्य के लिए विशेष सम्मान का विषय है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के प्रति प्रदेश की प्रतिबद्धता मजबूत है। साथ ही, यह अन्य राज्यों के लिए भी एक प्रेरणादायक मॉडल के रूप में उभर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि बांस को पेड़ की श्रेणी से अलग कर विशेष श्रेणी में शामिल किए जाने के

बाद इसके उपयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे विशेष रूप से महिलाओं की आय में सकारात्मक बदलाव आया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री द्वारा पवन ऊर्जा की आवश्यकता और संभावनाओं पर दिए गए विशेष जोर का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी इस दिशा में निरंतर और ठोस प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे भविष्य में ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने एक अनूठी पहल करते हुए उपस्थित जनसमूह के साथ घर से लिए गए छत्तीसगढ़ी व्यंजनों को साझा कर साथ में भोजन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी विषम, अपनापन और एकता की भावना को मजबूत करते हैं।

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल, रायपुर द्वारा आयोजित मंडी उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 26 अप्रैल 2026 को प्रातः 10:00 बजे से 12:15 बजे तक जिले के कुल 32 परीक्षा केंद्रों में संपन्न होगी, जिसमें 9790 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए व्यापक के दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी आर्बजर, केंद्राध्यक्ष एवं उडनदस्ता दल को विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। परीक्षा 10:00 बजे प्रारंभ होगी। परीक्षा केंद्र का मुख्य द्वार 30 मिनट पूर्व, अर्थात् 09:30 बजे, बंद कर दिया जाएगा। परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटे पूर्व अनिवार्य रूप से परीक्षा केंद्र में उपस्थित

सुनिश्चित करना होगा। वहीं पुलिस कर्मियों को परीक्षा प्रारंभ होने से 2 घंटे 30 मिनट पूर्व पहुंचना आवश्यक होगा, ताकि सभी अभ्यर्थियों को मेटल डिटेक्टर एवं फ्रिस्किंग के माध्यम से सुरक्षा जांच सुचारु रूप से की जा सके। परीक्षार्थी हल्के रंग के आधी बाँह वाले वस्त्र धारण करेंगे तथा फुटवियर के रूप में चपल पहनेंगे। कान में किसी भी प्रकार के आभूषण पहनना पूर्णतः वर्जित है। परीक्षा कक्ष में कोई भी संचार उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, पर्स, पाउच, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि ले जाना पूर्णतः निषिद्ध है। अनुचित साधनों के उपयोग पर कठोर कार्रवाई की जाएगी तथा अभ्यर्थिता समाप्त कर दी जाएगी। धार्मिक एवं सांस्कृतिक परिधान पहनने वाले अभ्यर्थियों को अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गुजरना होगा।

## ग्राम घुपसाल के सभी किसानों ने कम पानी वाली फसलों को अपनाकर दिया नया उदाहरण

मीडिया ऑडिटर, राजनांदगांव (निप्र)। छुरिया विकासखंड के ग्राम घुपसाल में किसानों द्वारा जल संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए खेती सीजन में धान जैसी अधिक पानी की आवश्यकता वाली फसल के स्थान पर कम पानी में तैयार होने वाली फसलों का उत्पादन किया जा रहा है। यह परिवर्तन क्षेत्र में जल संकट को ध्यान में रखते हुए किसानों की जागरूकता और सकारात्मक सोच के साथ सामूहिक निर्णय लेकर किया गया। जिससे ग्राम का भू-जल स्तर बढ़ा है। कलेक्टर श्री जितेंद्र यादव ने आज छुरिया विकासखंड के ग्राम घुपसाल पहुंचकर किसानों द्वारा किए जा रहे इस नवाचार का अवलोकन किया। उन्होंने खेतों में जाकर फसलों की स्थिति देखी तथा किसानों से चर्चा कर उनकी खेती



की पद्धतियों एवं अनुभवों की जानकारी ली। कलेक्टर ने किसानों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों को अपनाना वर्तमान समय की आवश्यकता है। इससे न केवल जल संरक्षण संभव होगा, बल्कि खेती की लागत में कमी आने के साथ किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। उन्होंने अन्य किसानों को भी इस मॉडल को अपनाने के लिए

## अबूझामाड़ की पारुल को मिली नई ज़िंदगी

### प्रोजेक्ट धड़कन बनी नन्ही धड़कनों का सहारा

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। नारायणपुर जिले के दूरस्थ ब्रेहबड़ा गांव की 2 वर्षीय पारुल दुगा अब फिर से मुस्कुरा रही है। कुछ समय पहले तक यह नन्ही बच्ची जल्दी थक जाती थी, सामान्य बच्चों की तरह खेल नहीं पाती थी और परिवार उसकी सेहत को लेकर लगातार चिंतित रहता था। गांव के सीमित संसाधनों के बीच माता-पिता को यह भी पता नहीं था कि उनकी बच्ची के हृदय में गंभीर समस्या है। लेकिन जिले में शुरू किए गए 'प्रोजेक्ट धड़कन' ने न केवल बीमारी की समय पर पहचान की, बल्कि पारुल को नया जीवन भी दे दिया। नारायणपुर जिले में बच्चों के स्वास्थ्य संरक्षण के उद्देश्य से फरवरी 2026 में 'प्रोजेक्ट



धड़कन' की शुरुआत की गई थी। इस विशेष अभियान का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों की हृदय संबंधी जांच कर गंभीर मामलों की शुरुआती अवस्था में पहचान करना है, ताकि समय रहते उनका उपचार कराया जा सके।

## यूथ फेस्ट-2026 सौरभ द्विवेदी का मंत्र—फिट रहें

### पॉजिटिव सोचें, परिवार संग आगे बढ़ें

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। जिले में आयोजित यूथ फेस्ट-2026 के अंतर्गत आज शाम एक विशेष प्रेरक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें देश के वरिष्ठ प्रकर सौरभ द्विवेदी मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में युवाओं, विशेषकर छात्र-छात्राओं एवं महिलाओं को जीवन के महत्वपूर्ण मूल्यों पर केंद्रित रहते हुए आगे बढ़ने का संदेश दिया। गौरतलब है कि 'यूथ फेस्ट-2026' के तहत बीते दो दिनों 24-25 को जिले के शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में विभिन्न रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोकनृत्य प्रस्तुतियां, स्टार्टअप, एजुकेशन एवं स्किल डेवलपमेंट से संबंधित वर्कशॉप, फूड स्टॉल, कला एवं संस्कृति से जुड़ी प्रदर्शनियां तथा युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने वाले अनेक कार्यक्रम शामिल रहे। अंतिम दिवस पर दायरा बैंड (जादू बस्तर) की प्रस्तुति ने आयोजन में सांस्कृतिक रंग भर दिए और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपने विचार रखते हुए उन्होंने कहा कि आज के



बदलते दौर में निरंतर सीखना, स्वयं को अपडेट रखना और सकारात्मक सोच बनाए रखना ही सफलता की असली कुंजी है। उन्होंने विशेष रूप से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य (मेटल हेल्थ) के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस समय में संतुलित जीवनशैली अपनाना अत्यंत आवश्यक है।

## संजीवनी बना मेगा सुपर स्पेशलिटी हेल्थ कैंप



मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। सुकमा जिले के छिंदवाड़ा विकासखंड के लिपचवार निवासी आदिवासी महिला बुधरी मडकाम के लिए मेगा सुपर स्पेशलिटी हेल्थ कैंप उम्मीद की नई किरण बकर सामने आया। गंभीर बीमारी से जूझ रही बुधरी की हालत लगातार बिगड़ रही थी और शुरुआती लक्षणों के आधार पर कैसर या टीबी जैसी आशंका जलाई जा रही थी। लेकिन समय रहते कैंप में हुई जांच ने स्थिति की गंभीरता को पहचान लिया और प्रशासन की तत्परता से उसे सही उपचार की दिशा में तुरंत आगे बढ़ाया गया। मरीज की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर श्री अमित कुमार के निर्देश पर सीएमएचओ डॉ. आरके सिंह द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई और बुधरी को तत्काल एम्स रायपुर रेफर कराया गया। यह निर्णय मरीज के लिए जीवनरक्षक साबित हुआ। जिला स्वास्थ्य विभाग की संवेदनशीलता और प्रशासनिक तत्परता ने यह सुनिश्चित किया कि दूरस्थ इलाके की यह महिला इलाज के लिए बड़े अस्पताल तक सुरक्षित और समय पर पहुंच सके। करीब एक सप्ताह की जांच के बाद बुधरी को दुर्लभ बीमारी सरकॉइडोसिस होने की पुष्टि हुई और 7 अप्रैल से 22 अप्रैल तक 15 दिनों के इलाज के बाद वह पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौट आईं। सबसे बड़ी राहत यह रही कि आयुष्मान कार्ड के माध्यम से पूरा उपचार निःशुल्क हुआ। यह घटना स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के उस संकल्प को भी साकार करती है, जिसमें उन्होंने कहा था कि गंभीर मरीजों को रायपुर ले जाकर बेहतर इलाज दिलाया जाएगा। यह कहानी सुकमा प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की प्रतिबद्धता का जिक्र उदाहरण है, जिसने एक आदिवासी महिला को नया जीवन देकर मानवता और सेवा की मिसाल कायम की है। कलेक्टर श्री अमित कुमार ने बताया कि सुकमा के दूरस्थ क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। मेगा सुपर स्पेशलिटी हेल्थ कैंप के माध्यम से गंभीर मरीजों की पहचान कर उन्हें हायर हेल्थ सेंटर रेफर किया जा रहा है। बुधरी मडकाम का सफल इलाज इस बात का प्रमाण है कि प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि किसी भी जरूरतमंद मरीज को इलाज के अभाव में परेशानी न हो और उन्हें समय पर उचित चिकित्सा सुविधा मिल सके। पूरे उपचार के दौरान आयुष्मान कार्ड विभाग के जिला कार्यक्रम समन्वयक श्री अमृतेश सिंह ने मरीज और उसके परिजनों को हर कदम पर सहयोग प्रदान किया। अपॉइंटमेंट से लेकर भर्ती तक, डॉक्टरों से समन्वय और लगातार मार्गदर्शन कर उन्होंने यह साबित कर दिया कि प्रशासन केवल आदेश देने तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर भी मरीजों के साथ खड़ा रहता है। भाषा की समस्या भी बड़ी चुनौती थी, क्योंकि परिजन केवल गोंडी भाषा जानते थे, फिर भी समन्वय और मानवीय प्रयासों से एम्स में भर्ती और इलाज पूरी सफलता से संभव हो पाया।

## धान की म्यूटेंट किस्में कृषि के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती हैं

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा भाभा अटॉमिक रिसर्च सेंटर ट्रॉम्बे (मुंबई) के सहयोग से विकसित धान की छह उन्नत म्यूटेंट किस्मों का कृषि महाविद्यालय रायपुर में आज आयोजित एक समारोह में प्रतिशोधित कृषकों को वितरण किया गया। धान की ये सभी म्यूटेंट किस्में परंपरागत प्रजातियों की अपेक्षा जल्दी पकती हैं, ज्यादा उपज देती हैं, कम ऊंची होती हैं और कीट-व्याधियों के प्रति अधिक सहनशील होती हैं। मिनी किट बीज वितरण समारोह की मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन में कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शहला निगार निगार थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की। समारोह में प्रदेश भर से आए प्रतिशोधित किसानों को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा भाभा अटॉमिक रिसर्च सेंटर ट्रॉम्बे (मुंबई) के सहयोग से विकसित किस्मों-विक्रम ट्रॉम्बे छत्तीसगढ़ राईस (विक्रम टीसीआर), ट्रॉम्बे

छत्तीसगढ़ विष्णुभोग म्यूटेंट, ट्रॉम्बे छत्तीसगढ़ सोनागाथी म्यूटेंट, ट्रॉम्बे छत्तीसगढ़ दुवराज म्यूटेंट-1, बोना लुचाई एवं ट्रॉम्बे छत्तीसगढ़ जवाफूल म्यूटेंट के मिनी किट का वितरण किया गया। समारोह का संवोधित करते हुए कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शहला निगार ने कहा कि छत्तीसगढ़ का हीरा और सोना यहाँ का धान ही है। उन्होंने कहा कि वे देश के विभिन्न क्षेत्रों में पत्नी-बढ़ी, पढ़ी-लिखी तथा नौकरी में रही लेकिन उन्होंने छत्तीसगढ़ जैसा चावल न कहीं देखा और न कहीं खाने को मिला। श्रीमती निगार ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किसानों की आर्थिक समृद्धि के लिए चलाई जा रही विभिन्न विकास योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन कृषि विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कृषि विश्वविद्यालय द्वारा बार्क के सहयोग से विकसित धान की ये म्यूटेंट किस्में भी इस बात का परिचायक हैं। उन्होंने कहा कि रेडियेशन के माध्यम से विकसित फसलों की विभिन्न किस्में कृषि के

क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती हैं। कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा इस खरीफ वर्ष में धान की 40 प्रतिशत पुरानी किस्मों को नवीन उन्नत किस्मों से प्रतिस्थापित करने की योजना है जिसमें ये किस्में अहम योगदान दे सकती हैं। उन्होंने किसानों से परंपरागत फसलों की जगह अधिक मुनाफा देने वाली फसलें उगाने का आह्वान किया। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विगत 10 वर्षों से भाभा अटॉमिक रिसर्च सेंटर ट्रॉम्बे (मुंबई) के सहयोग से म्यूटेशन बीडिंग के माध्यम से विभिन्न फसलों की नवीन किस्में विकसित करने का कार्य किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत छत्तीसगढ़ की परंपरागत किस्मों में म्यूटेशन के माध्यम से फसल सुधारने का कार्य किया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत अबतक धान की 7 म्यूटेंट किस्मों के साथ ही अन्य फसलों की नवीन उन्नत किस्में भी विकसित की

गई हैं। म्यूटेशन बीडिंग के माध्यम से विभिन्न किस्मों अवांछित गुण दूर करके वांछित गुणों का समावेश किया जा रहा है जिससे ज्यादा उपज, कम अर्वाधि, कम उंचाई, कीट व्याधियों के प्रति सहनशील सूखा सहनशील अधिक पोषण देने वाली किस्में विकसित की गई हैं। उन्होंने कहा कि इससे छत्तीसगढ़ की परंपरागत किस्मों के दुर्लभ गुणों का किया जा सकेगा। भाभा अटॉमिक रिसर्च सेंटर ट्रॉम्बे (मुंबई) के अपर संचालक प्रोफेसर पी.ए. हसन ने म्यूटेशन बीडिंग की तकनीक तथा रेडियेशन के द्वारा विभिन्न फसलों में वांछित गुणों के समावेश के महत्व के बारे में जानकारी दी। भाभा अटॉमिक रिसर्च सेंटर ट्रॉम्बे (मुंबई) के नाभिकीय कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख डॉ. ए.डी. बल्लाल ने भी किसानों को कृषि में नाभिकीय ऊर्जा के उपयोग के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में पाट्ट प्रजनन विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. दीपक शर्मा ने अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया।

## दहिकोंगा तेंदूपत्ता फड़ का किया निरीक्षण



मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज रविवार को कोडागांव जिले के दहिकोंगा स्थित तेंदूपत्ता फड़ का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तेंदूपत्ता की गुणवत्ता देखी और संग्राहकों को हो रहे ऑनलाइन भुगतान की व्यवस्था की जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री कश्यप ने दो संग्राहकों के मोबाइल में स्वयं ऑनलाइन एंटी कर भुगतान प्रक्रिया को पूरा कराया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तेंदूपत्ता संग्राहकों को पारदर्शी और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल

व्यवस्था को बढ़ावा दे रही है। वन मंत्री ने संग्राहकों से सीधे संवाद कर उन्हें तेंदूपत्ता निहार की बधाई और शुभकामनाएं दी तथा शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता संग्रहण से जुड़े संग्राहकों को हो रहे ऑनलाइन भुगतान की व्यवस्था की जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री कश्यप ने दो संग्राहकों के मोबाइल में स्वयं ऑनलाइन एंटी कर भुगतान प्रक्रिया को पूरा कराया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तेंदूपत्ता संग्राहकों को पारदर्शी और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल

## युवा फेस्ट में ज्ञान, नवाचार और अवसरों का संगम

मीडिया ऑडिटर, धमतरी (निप्र)। जिले में आयोजित युवा फेस्ट में विभिन्न महाविद्यालयों, संस्थाओं और विभागों द्वारा युवाओं को एक ही मंच पर ज्ञान, नवाचार और करियर संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में लगे विविध स्टॉल और प्रदर्शनी युवाओं के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं, जहां बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं पहुंचकर नई-नई जानकारी हासिल कर रहे हैं। युवा फेस्ट के महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने फेस्ट के माध्यम से रचनात्मक प्रस्तुतियां दे रहे हैं। शासकीय महाविद्यालय कंडेल द्वारा प्रदेश के ऐतिहासिक स्थलों और सांस्कृतिक धरोहरों का सजीव चित्रण मॉडल के जरिए किया गया, जो दर्शकों को खासा आकर्षित कर रहा है। श्री सुखराम नागदेव महाविद्यालय नगरी की छात्राओं ने हर्बल शीपू आधारित स्टार्टअप की जानकारी देकर स्वरोजगार के नए आयाम प्रस्तुत किए हैं। नारायण राव मेघावाले महिला महाविद्यालय की ओर से आर्ट एंड क्रफ्ट तथा 'वेस्ट से बेस्ट' की थीम पर प्रदर्शनी लगाई गई है, जिसमें बेकार सामग्री से

उपयोगी वस्तुएं बनाने के तरीके सिखाए जा रहे हैं। रोजगार विभाग द्वारा ऑनलाइन एवं थल सेना भर्ती से जुड़ी जानकारी और तैयारी के टिप्स देकर युवाओं का मार्गदर्शन किया जा रहा है। कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र द्वारा उन्नत कृषि उपकरणों, दलहनी-तिलहनी फसलों और धान की उन्नत किस्मों की जानकारी प्रदर्शित की गई है, जबकि उद्यानिकी महाविद्यालय धमतरी द्वारा ड्रिप इरिगेशन तकनीक और उच्च गुणवत्ता वाले पौधों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। यशवंत राव मेघावाले महाविद्यालय मारगलोड द्वारा भी देश के ऐतिहासिक स्थलों पर आधारित जानकारी प्रस्तुत की जा रही है। परिवहन विभाग के स्टॉल पर युवाओं के लॉगिन लाइसेंस बनाए जा रहे हैं, जिससे उन्हें तत्काल सुविधा मिल रही है। वहीं प्रथम फाउंडेशन द्वारा हॉस्पिटैलिटी, रेस्टोरेंट सर्विस सहित अन्य रोजगारपरक क्षेत्रों की जानकारी दी जा रही है। अजीम जी प्रेमजी फाउंडेशन स्कॉलरशिप योजनाओं और पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई है।

## दुनिया देख रही है भारत का लोकतंत्र का उत्सव

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग के अंतर्राष्ट्रीय चुनाव आगंतुक कार्यक्रम (IEVP) 2026 के हिस्से के रूप में, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (चरण 1) के विधानसभा चुनावों ने वैश्व ध्यान आकर्षित किया है। इसमें 16 देशों और इंटरनेशनल आईडीईए के 32 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भारत की चुनावी प्रक्रियाओं के पैमाने, सटीकता और जीवंतता को प्रत्यक्ष रूप से देखा। प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव को 'लोकतंत्र का सच्चा उत्सव' बताया है। रिपोर्ट मतदाता भागीदारी, सूक्ष्म योजना और आयोग द्वारा मतदान के निर्बंध निष्पादन की प्रशंसा की। चेन्नई, तमिलनाडु में एक मतदान केंद्र पर मतदान देखने के बाद, मॉरीशस की उच्चायुक्त महामहिम श्रीमती शीलाबाई बापू ने कहा, 'भारत पूरी दुनिया को अनुभव, प्रक्रियाएं और ज्ञान दे रहा है कि इसे कैसे किया जाए। यही लोकतंत्र है, वोट को मतदाता तक लाना। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने 22-23 अप्रैल को तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की अपनी दो दिवसीय यात्रा की शुरुआत प्रेषण और वितरण केंद्रों का दौरा करके की। वहां उन्होंने सुव्यवस्थित रसद और स्थापित मानक संचालन प्रक्रियाओं के माध्यम से चुनाव सामग्री के साथ मतदान दलों की व्यवस्थित आवाजाही का अवलोकन किया। सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में फिलीपींस की सुशी मेलिसा ऐन एम.



तेलन ने कहा, 'भारत सुबह में प्रेषण केंद्र पर थी और यह देखकर चकित रह गई कि यह कितना जीवंत था... मतदान अधिकारियों को 3-भाग वाली ईवीएम मशीनें प्राप्त हो रही थीं-कंट्रोल यूनिट (CU), बैलेट यूनिट (BU) और वीवीपीएट (VVPAT)। यह एक अद्भुत अनुभव था... बहुत पारदर्शी और व्यवस्थित। प्रतिनिधियों ने तमिलनाडु के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के साथ-साथ सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग जिले

के वरिष्ठ जिला चुनाव अधिकारियों के साथ भी बातचीत की। उन्हें चुनाव के समग्र संचालन और शांतिपूर्ण एवं सुचारु मतदान सुनिश्चित करने के लिए की गई सुरक्षा व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी गई। बातचीत के दौरान, प्रतिनिधियों ने मतदान व्यवस्थाओं की सराहना की और विशेष रूप से बुजुर्ग मतदाताओं और दिव्यांगजनों के लिए होम वोटिंग की सुविधा को एक अद्भुत पहल बताया।